बम से उड़ाया आतंकी आदिल का घर

कश्मीर (एजेंसी)। कश्मीर में भारतीय सेना बड़ा आपरेशन चला रही है। पहलगाम हमले में शामिल स्थानीय आतंकी आदिल हुसैन थोकर के अनंतनाग जिले के बिजबेहरा के गोरी इलाके में स्थित घर को सुरक्षा बलों ने बम से उड़ा दिया है। आदिल थोकर उर्फ आदिल गुरी के रूप में पहचाने जाने वाले इस आतंकी पर पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हुए हमले की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में पाकिस्तानी आतंकवादियों की मदद करने का आरोप है।

वहीं आदिल की माँ ने कहा है कि उनका बेटा कसूरवार है तो उसे गोली मार दो और अगर वो जिंदा है तो सरेंडर कर दें। उसकी वजह से हमें बड़ी परेशानी हो रही है। उधर इस हमले में शामिल दूसरे स्थानीय आतंकी आसिफ शेख के त्राल स्थित घर को जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बुलडोजर से गिरा दिया। सेना पहलगाम सहित जाल, बांदीपोरा व राज्य के अन्य जिलों में सर्च अभियान चला रही है। भारतीय सेना के प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी भी कश्मीर पहुंच गए हैं।

सैन्य सूत्रों ने बताया कि स्टील टिप वाली गोलियों, एके-47 राइफलों और बॉडी कैमरा पहने हुए लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के चार आतंकवादियों के एक समूह ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों के बीच हिंदुओं को निशाना बनाया और उन पर गोलियों की बौछार कर दी। इस आतंकी हमले में 26 लोगों की जान गई थी, जिनमें से अधिकांश पर्यटक थे और भारत के अलग-अलग राज्यों से जम्मू-कश्मीर घूमने पहुंचे थे। आतंकवादियों में दो स्थानीय भी शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि दोनों स्थानीय आतंकियों की पहचान बिजबेहरा निवासी आदिल हुसैन थोकर और त्राल निवासी आसिफ शेख के रूप में हुई है।

आतंकी आदिल के घर पर चलाया बुलडोजर

आतंकी आदिल की मां बोली, सरेंडर कर दे बेटे

सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी श्रीनगर पहुंचे

बांदीपोरा में आतंकी अल्ताफ ढ़ेर

कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ चल रही है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर रखा है। दोनों तरफ से गोलीबारी हो रही है। गोलीबारी में एक आतंकी ढेर होने की खबर है, जबकि दो जवान भी घायल हो गए हैं। फिलहाल इलाके में आतंकियों की तलाश में अभियान जारी है।

पीटीआई के मुताबिक, बांदीपोरा जिले के कुलनार बाजीपुरा इलाके में सुरक्षा बलों ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी की और तलाशी अभियान शुरू किया।

छिपे हुए आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी कर दी। इसके बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया। मुठभेड़ में एक आतंकी के मारे जाने की खबर है। जबकि दो जवान (शेष पृष्ठ-3 पर)

यूपी बोर्ड के 10वीं और 12वीं का रिजल्ट जारी

10वीं में यश प्रताप और 12वीं में महक जायसवाल बने टॉपर

https://upmsp.edu.in पर देखें

प्रयागराज (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े शिक्षा बोर्ड यूपी बोर्ड के 10वीं और 12वीं के नतीजे घोषित हो गए हैं। इस वर्ष 10वीं में 90.11 फीसदी छात्रों ने परीक्षा पास की है। वहीं 12वीं में 81.15 फीसदी छात्रों ने परीक्षा पास की है। इस बार भी छात्राओं का रिजल्ट छात्रों से अच्छा रहा है। 12वीं में प्रयागराज की छात्रा महक जायसवाल ने टॉप किया है। वहीं 10वीं में जालौन के छात्र यश प्रताप सिंह ने टॉप किया है उन्हें 97.83 प्रतिशत अंक मिले हैं।

आज माध्यमिक शिक्षा परिषद ने एक प्रेसवार्ता के दौरान यूपी बोर्ड का 12वीं और 10वीं का रिजल्ट घोषित किया। यूपी बोर्ड परीक्षा में हाई स्कूल में 90.11 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा में 81.15 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। हाईस्कूल के टॉपर्स में जालौन के रहने वाले यश प्रताप सिंह ने 97.83 प्रतिशत अंक हासिल कर टॉप किया है। दूसरे स्थान पर अंशी तिवारी इटावा 97.67 प्रतिशत और अभिषेक कुमार यादव बाराबंकी के रहने वाले 97.67 प्रतिशत तीसरे स्थान पर रहे हैं। मुरादाबाद के मृदुल गर्ग 97.50 अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं।

12 वीं में चार छात्रों ने सेकेन्ड टॉपर का स्थान हासिल किया है जिनमें अमरोहा के साक्षी , सुल्तानपुर के आदर्श यादव, प्रयागराज की शिवानी सिंह व कौशाम्बी की अनुष्का सिंह रही हैं जब कि इटावा की मोहिनी तीसरे स्थान पर हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश की ओर से UP Board 10th 12th Result 2025 आज यानी कि दोपहर 12:30 पर घोषित कर दिया गया है। बोर्ड की ओर से रिजल्ट प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिये घोषित किया गया है जिसके बाद डायरेक्ट लिंक www.upmsp.edu.in एवं डिजिलॉकर (Digilocker) की वेबसाइट result.digilocker.gov.in पर एक्टिव हो गया है। छात्र एवं उनके माता-पिता साइट या इस पेज पर दिए डायरेक्ट लिंक से परिणाम की जांच कर सकते हैं। यूपी बोर्ड हाई स्कूल में कुल 55 छात्रों ने टॉप 10 में रैंक हासिल की है। इस वर्ष यूपी बोर्ड के 10वीं के लिए 25 लाख 56 हजार 992 छात्रों ने परीक्षा दी थी। वहीं 12वीं के लिए 25 लाख, 77 हजार, 733 छात्रों ने परीक्षा दी थी।

पहलगाम हमले के विरोध में गाजियाबाद में बाजार बंद

गाजियाबाद (चेतना मंच)। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 हिन्दुओं की नृशंस हत्या के बाद देश भर में आक्रोश है। पूरे देश में जगह-जगह पाकिस्तान का झंडा व पुतला जलाया जा रहा है तथा भारत सरकार से मांग की जा रही है कि आतंकवादियों के खिलाफ इस बार सख्त एक्शन लिया जाए। पहलगाम हमले को लेकर व्यापारियों में भी रोष है। विरोध में व्यापारियों ने आज बाजार बंद रखा। दिल्ली गेट व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजीव मित्तल और सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकिशोर गुप्ता ने भी सभी (शेष पृष्ठ-3 पर)

धारा-10 के नोटिस के बावजूद भी संपत्तियों के जारी हो रहे है टीएम

अब इन सभी मामलों की एसीईओ करेगें जांच

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण में पिछले कुछ वर्षों से एक अजब खेल चल रहा था। जिन मकानों में धारा-10 का नोटिस लगा हुआ था उस नोटिस की अनदेखी करके भी उन संपत्तियों का टीएम कर दिये गए। बताया जाता है कि इंजीनियरिंग विभाग से भी टीएम करते समय कोई जानकारी नहीं ली जाती थी। अब इस प्रकरण की जांच शुरू करने के आदेश जारी हुए हैं।

नोएडा प्रदूषण के सूत्र बताते हैं कि नोएडा प्राधिकरण के सीईओ के निर्देश पर एसीईओ संजय खत्री इस समूचे मामलों की जांच करेंगे।

नोएडा एक उत्कृष्ट क्षेत्र

सूत्रों का यह भी कहना है कि नोएडा प्राधिकरण की पूर्व सीईओ रितु माहेश्वरी के कार्यकाल मे ऐसी कई शिकायत मिली थी जिनका उन्होंने बाकायदा सर्वे करवाया था। सर्वे के बाद फोटोग्राफ के साथ एक समूची लिस्ट बनाई गई थी। इस लिस्ट के मुताबिक उन कई भवनों के टीएम जारी कर दिए गए हैं जिनमें पहले से ही धारा 10 का नोटिस लगा हुआ था। यह खेल किस स्तर पर किया जा रहा था इसका खुलासा तो अब जांच के बाद ही पता चलेगा, लेकिन यह खेल चल रहा था ऐसे कई उदाहरण कई सेक्टर में मौजूद है। बताया जाता है कि टीएम जारी करने के पहले (शेष पृष्ठ-3 पर)

भाजपा नेता अमित त्यागी की दादी का निधन

नोएडा (चेतना मंच)। भंगेल निवासी भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अमित त्यागी की दादी श्रीमती शकुन्तला देवी (उम्र 94) पत्नी स्वर्गीय श्री चुन्नीलाल त्यागी का कल बृहस्पतिवार को शाम 4:30 बजे स्वर्गवास हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज सुबह 8:00 बजे भंगेल स्थित शमशान घाट में किया गया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। अंतिम संस्कार के अवसर पर सैकड़ों की संख्या में उनके परिजन, नाते रिश्तेदार, ग्रामीण, जनता दल युनाईटेड के राष्ट्रीय महासचिव के. सी. त्यागी के पुत्र अमरीश त्यागी, भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, नोएडा के विधायक पंकज सिंह के प्रतिनिधि भूपेंद्र तथा भाजपा के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में मुठभेड़, गैंगस्टर के साथ चार गिरफ्तार

नोएडा/ ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा सेंट्रल जोन के थाना ईकोटेक-3 और थाना सैक्टर-142 पुलिस की चेकिंग के दौरान बाइक सवार बदमाशों से हुई मुठभेड़ में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गये, जिनमें गैगस्टर और 15 हजार का इनामी भी शामिल है। दो बदमाशों को कॉम्बिंग के बाद गिरफ्तार किया गया। घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनके पास से 50 हजार नगद, ज्वेलरी और तमंचा कारतूस और बाइक बरामद किया गया।

डीसीपी नोएडा सेंट्रल जोन शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पहली मुठभेड़ ग्रेटर नोएडा में हुई। थाना ईकोटेक-3 पुलिस लखनावली पुस्ता रोड पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक पर तीन संदिग्ध आते दिखाई दिए। बदमाशों ने पुलिस द्वारा रोके जाने पर पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने लगे, पुलिस की जवाबी कार्रवाही में गोली लगने से गगन उर्फ जीनू उर्फ शिवम निवासी हाथरस घायल हो गया, जबकि पुलिस ने मनी और सुहेल उर्फ गोलू को कॉम्बिंग के बाद

गिरफ्तार किया।

डीसीपी नोएडा सेंट्रल जोन ने बताया की तीनों शातिर चोर है। इनके कब्जे से घर से चोरी किये सामान, ज्वैलरी, अभियुक्त गगन के कब्जे से 18000 रूपये नगद, अगूठी, बिछुए और पाजेब, मनी के कब्जे से 15500 रूपये नगद, अगूठी, पाजेब व बिछुए और सुहेल उर्फ गोलू के कब्जे से 11 हजार रूपये नगद, अगूठी, बिछुए व पाजेब तथा पैशन प्रो साईकिल बाइक, तमंचे कारतूस और चाकू , एक लोहा काटने की आरी, एक हथोड़ा, एक लोहे की सरिया का टुकड़ा, एक पान्ना बरामद किया गया है। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

दूसरा एनकाउंटर नोएडा के थाना सैक्टर-142 पुलिस और बदमाश के बीच हुआ। चेकिंग के दौरान एफएनजी सर्विस रोड पर हुआ, जब पुलिस ने बाइक सवार बदमाश को जांच के लिए रोकने की कोशिश की तो (शेष पृष्ठ-3 पर)

ADMISSION OPEN
SARASWATI GLOBAL SCHOOL
NCERT BOOKS
(Buy NCERT Books from any stationary shop)
Sector 22 Noida
Mob.8750611103

आतंक का देश

पहलगाम का आतंकी हमला हताशा में किया गया एक ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताकर 22 अप्रैल के हमले की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है। पाक ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी(2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा? मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर-सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत है कि देश-विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही नहीं है, बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने हमले की एकजुट होकर निंदा की गई है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए। कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई की है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी विदेश यात्रा को बीच में ही रोककर भारत लौटे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने भी घाटी पहुंचकर तत्काल जमीनी स्थितियों का आकलन होने तक पूरी सरकारी मशीनरी की ताकत झोंक दी है। तात्कालिक प्रतिक्रिया के तौर पर इस संवेदनशील क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र को कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अधिकारियों को घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता को चुना है।

पहलगाम में मजहबी आतंक का सबसे बर्बर चेहरा

जम्मू-कश्मीर में स्थित पहलगाम, जिसे 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से जाना जाता है, मंगलवार को एक भीषण, दर्दनाक एवं अमानवीय आतंकी हमले का गवाह बना, एक बार फिर जिहादी आतंक का घिनौना-बर्बर चेहरा दिखा। आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष-निहत्थे पर्यटकों की जिस तरह पहचान पता करके गोलियां बरसाईं, उससे यही पता चलता है कि वे केवल खौफ ही नहीं पैदा करना चाहते थे, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों का खून बहाकर दुनिया का ध्यान भी खींचना चाहते थे। यह आतंकवाद एवं सांप्रदायिक घृणा का अब तक का सबसे घिनौना एवं बर्बर हमला एवं चेहरा है, जिसमें हिन्दू सुनकर चलाई गोलियां। जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मूल एजेंडे का हिस्सा है। इस जघन्य एवं त्रासद घटना में निर्दोष पर्यटकों को तब मौत की गहरी नींद सुलाया गया, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत में हैं और भारतीय प्रधानमंत्री सऊदी अरब में। इस हमले ने यह प्रकट किया कि कश्मीर में बचे-खुचे आतंकी किसी भी सीमा तक गिरने पर आमादा हैं। आतंकियों ने उन पर्यटकों को निशाना बनाया, जो कश्मीरियों की रोजी-रोटी को ही सहारा देने कश्मीर गए थे। यह हमला इतना वीभत्स था कि उसने हर संवेदनशील दिल को झकझोर कर रख दिया। आतंकियों ने नृशंसता की सारी सीमाएं पार करते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 28 पर्यटक, जिनमें दो विदेश नागरिक भी थे, की दर्दनाक मौत हो गई। हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने ली है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हमलावरों ने दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग से होते हुए किश्तवाड़ के रास्ते बैसरन तक पहुंच बनाई। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है, जब बैसरन के घास के मैदान और आसपास के इलाकों में भारी संख्या में पर्यटक मौज-मस्ती कर रहे थे, कुछ खच्चरों की सवारी का आनंद ले रहे थे तो कुछ परिवार पिकनिक मना रहे थे। तभी घात लगाए बैठे आतंकियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना के लिये सीधे तौर पर पाकिस्तान जिम्मेदार है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चंद दिन पहले ही पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने किसी जिहादी की तरह हिंदुओं और भारत के खिलाफ अपनी घृणा का भद्दा प्रदर्शन किया था। अबू मूसा का वह भाषण और उसके तुरंत बाद हुआ पहलगाम नरसंहार दर्शाता है कि पीओके में बैठे आतंकी सरगना न केवल भारत विरोधी जहरीला प्रचार फैला रहे हैं, बल्कि कश्मीर घाटी की शांति, विकास एवं सौहार्द को बाधित करने की हर कोशिश को सफल बनाने में जुटे हैं। वे आगामी समय में घाटी को फिर से अशांत करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं। इस भीषण आतंकी हमले के बाद घाटी में पर्यटन संबंधी कारोबार करीब-करीब ठप पड़ना तय है। आखिर इतनी भयावह

लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर पहलगाव में आतंकियों ने पूरे देश में आक्रोश की लहर पैदा करने वाली घटना को अंजाम दिया है।

घटना के बाद कौन पर्यटक कश्मीर की ओर रुख करेगा?

लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर पहलगाव में आतंकियों ने पूरे देश में आक्रोश की लहर पैदा करने वाली घटना को अंजाम दिया है। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पहली बार कश्मीर में इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों और उनके समर्थकों को करारा जवाब दिया जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। पहलगाम में आतंकी हमले की गंभीरता इससे प्रकट होती है कि जहां गृहमंत्री अमित शाह आनन-फानन श्रीनगर के लिए रवाना हुए, वहीं सऊदी अरब गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा बीच में छोड़कर दिल्ली आ गये। दिल्ली आते ही एयरपोर्ट पर ही एक मीटिंग की, जिसमें अजित डोभाल से गंभीर मंत्रणा के बाद इस आतंकवादी घटना के खिलाफ एक्शन लेना प्रारंभ कर दिया। मोदी एवं शाह के एक्शन से उम्मीद बंधी है कि इस बार कुछ निर्णायक होगा। पहलगाम की सुंदर घाटी को रक्त रंजित करने के लिये आतंकवाद का जिन्न भले ही निकल आया हो, लेकिन इस बार निर्दोष एवं बेकसूर लोगों का रक्त व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। यह हमला पाकिस्तान की बौखलाहट का नतीजा है, उसी के इशारे पर किया गया। यह मानने के पुख्ता एवं पुष्ट कारण हैं कि पाकिस्तान सुलगते बलूचिस्तान से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है और उसे यह रास नहीं आ रहा कि कश्मीर में स्थितियां तेजी से सामान्य होती जा रही हैं। भारत को पाकिस्तान के शैतानी इरादों के प्रति और अधिक सतर्क रहना चाहिए था। वह न पहले भरोसे लायक था और न अब। अब आतंकियों को शह और सहयोग देने वाले पाकिस्तान को निर्णायक रूप से सबक सिखाया जाना ज्यादा जरूरी हो गया है।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत बनी है, जिससे भी पाकिस्तान भयभीत बना। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषत: जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। पहलगाम की ताजा घटना हो या बार-बार होने वाली आतंकी घटनाएं तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इन हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश एवं दुनिया के सामने आने का डर पाकिस्तान को सता रहा था, तभी उसने इस पहलगाम की घटना को अंजाम दिया। लेकिन अब हद हो गयी। अब एक साथ कई मोर्चे पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू करना होगा। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से लड़ने में भारत का साथ देने का संकल्प एकबार फिर दोहराया है, इसी तरह रूस भी भारत के साथ है। अनेक देशों ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हर तरह से सहयोग का वादा किया है। अब समय आ गया है पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाने एवं उसके विध्वसंक एवं विनाशकारी मनसूबों को नेस्तनाबूंद करने का।

तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोष लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है, यही पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा है। कश्मीर सहित समूची दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने का नेतृत्व करके मोदी एक और करिश्मा घटित करने को तत्पर होना भी पाकिस्तान के लिये बड़ी चुनौती बना है, पहलगाव जैसी घटनाएं उनके इरादों को कमजोर नहीं, बल्कि बलशाली ही बनाती है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। दुनिया के शक्तिसंपन्न राष्ट्र भी मंथन करें आतंक रूपी विष और विषमता को समाप्त करने का, शांतिपूर्ण दुनिया निर्मित करने का। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान में घूस कर सबक सिखाने का। सर्जिकल अटैक ही पुख्ता जबाव हो सकता है।

आतंक से जो जन्मती है, वह संस्कृति नहीं होती है, उसमें पाशविकता होती है, उसमें जानवर विद्यमान होते हैं। ऐसे व्यक्ति, संगठन एवं देश किसी के प्रिय नहीं हो सकते, वे मानवता को त्राण नहीं, संत्रास देते हैं। लगातार हो रहे इन हमलों के बाद भी हिन्दू समुदाय शांति और करुणा की ही बात करता आया है। पर एक बड़ा सवाल ये है कि आखिर कब तक यह सिलसिला चलेगा? भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत के बढ़ते कदमों को रोकने के लिये पाकिस्तान आतंकी संगठन और आतंक का सहारा ले रही हैं। भारत सरकार की नीति, सशक्त सुरक्षा व्यवस्था, सरकार की सतर्कता के चलते ही पाकिस्तान, वहां के आतंकवादी संगठन एवं आतंकवादी अपने मनसूबों में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। लगातार असफलता से खीझे एवं बौखलाये हुए आतंकी कोई-न-कोई नई और अधिक खौफनाक आतंकी घटना को अंजाम देने में जुटे रहते हैं, हमारी सुरक्षा एजेंसियों को अधिक सतर्कता बरतने की अपेक्षा है।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जैसे कोई दरिद्र कल्पवृक्ष को पाकर भी अधिक द्रव्य माँगने में संकोच करता है, क्योंकि वह उसके प्रभाव को नहीं जानता, वैसे ही मेरे हृदय में संशय हो रहा है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सो तुम्ह जानहु अंतरजामी। पुरवहु मोर मनोरथ स्वामी॥
सकुच बिहाइ मागु नृप मोही। मोरें नहिं अदेय कछु तोही॥

हे स्वामी! आप अन्तरयामी हैं, इसलिए उसे जानते ही हैं। मेरा वह मनोरथ पूरा कीजिए। (भगवान ने कहा-) हे राजन! संकोच छोड़कर मुझसे माँगो। तुम्हें न दे सकूँ ऐसा मेरे पास कुछ भी नहीं है॥

दो0-दानि सिरोमनि कृपानिधि नाथ कहउँ सतिभाउ।
चाहउँ तुम्हहि समान सुत प्रभु सन कवन दुराउ॥

(उन्होने कहा-) हे दानियों के शिरोमणि! हे कृपानिधान! हे नाथ! मैं अपने मन का सच्चा भाव कहता हूँ कि मैं आपके समान पुत्र चाहता हूँ। प्रभु से भला क्या छिपाना! ॥

देखि प्रीति सुनि बचन अमोले। एवमस्तु करुनानिधि बोले॥
आपु सरिस खोजौं कहँ जाई। नृप तव तनय होब मैं आई॥

राजा की प्रीति देखकर और उनके अमूल्य वचन सुनकर करुणानिधान भगवान बोले- ऐसा ही हो। हे राजन! मैं अपने समान (दूसरा) कहाँ जाकर खोजूँ! अत: स्वयं ही आकर तुम्हारा पुत्र बनूँगा॥

(क्रमश:...)

भारतीयता की जड़ है सनातन धर्म

पिछले कुछ समय से देखा जा रहा है कि देश के कुछ लोग जो कि भारतीय संस्कृति में सनातन धर्म के योगदान को लेकर भ्रम फैला रहे हैं, आइए इस संशय को दूर करने के लिए प्रयास करें। हिंदू धर्म को सनातन धर्म या कभी-कभी सनातन जीवन पद्धति के नाम से भी जाना जाता है, जो हिंदू धर्म को दिया गया मूल नाम है। लेकिन यह केवल एक धर्म नहीं है, यह एक दर्शन है जो सदियों से अछूता रहा है और जिसने लाखों लोगों को प्रभावित किया है। सनातन धर्म शब्द संस्कृत से लिया गया है जिसका अर्थ है 'सनातन' जो शाश्वत/अनंत है और 'धर्म' जो कर्त्तव्य, कानून या धार्मिकता है। कुल मिलाकर, वे एक सत्य को प्रस्तुत करते हैं जिसे वे शाश्वत सत्य कहते हैं और जो समय और स्थान से परे है, जो ब्रह्मांड के अस्तित्व का आधार बनता है। सभी धर्मों में सबसे पुराना होने के कारण, सनातन धर्म की जड़ें किसी व्यक्ति पर नहीं टिकी हैं, बल्कि इसका इतिहास वैदिक शास्त्रों में खोजा जा सकता है। सनातन धर्म एक ऐसा धर्म है जिसकी जड़ें भारत की वैदिक परंपरा में 1500 ईसा पूर्व से हैं। वेद पवित्र ग्रंथ हैं। ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद जैसे ग्रंथ मौजूद थे और उन्होंने धर्म की आध्यात्मिक और दार्शनिक अवधारणा को आधार प्रदान करने में दृढ़ता से योगदान दिया। वैदिक काल में जप, भजन पढ़ना और विभिन्न देवताओं को बलि चढ़ाने जैसी गतिविधियों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया था। 600-400 ईसा पूर्व में उपनिषदों ने कर्मकांडीय अभ्यास से ध्यान हटाकर अटकलों की ओर ध्यान केंद्रित किया।

यहां जो प्रमुख अवधारणाएं बनीं, वे हैं ब्रह्म और आत्माय उपनिषदों का उद्देश्य दुनिया की प्रकृति और आत्म-साक्षात्कार को स्पष्ट करना था। चिंतनशील चिंताओं में बदलाव आया और चिंताओं पर अत्यधिक जोर दिया जाने लगा और आध्यात्मिक चिंतन की शुरुआत हुई। भारतीय महाकाव्य, महाभारत और रामायण, 400 ईसा पूर्व और 200 ईस्वी के दौरान लिखे गए थे। ये महाकाव्य, खास तौर पर महाभारत में शामिल भगवद गीता, सनातन धर्म का मूल बन गए। उन्होंने अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन में धर्म, कर्म और भक्ति पर सरल सलाह भी दी। महाकाव्यों में मानव के कर्त्तव्यों, अपने सम्मान और ईश्वर के प्रति समर्पण जैसे सामान्य वैदिक विश्वासों को दर्शाया गया है। सनातन धर्म ने 200 से 1200 ईस्वी के बीच के समय में विभिन्न दर्शनों की स्थापना की, जिनमें अद्वैत वेदांत, सांख्य, योग जैसे गुरु शामिल हैं। इस समयावधि में हिंदू पुराणों का जन्म भी हुआ, जिन्होंने सनातन धर्म के पौराणिक-भक्ति भाव को और आगे बढ़ाया। मंदिर धार्मिक संस्थानों के साथ-साथ कला और संस्कृति के विकास के स्थान बन गए और भक्ति संतों के शामिल होने से एक विशेष देवता के प्रति भक्ति के आधार पर भक्ति संस्थान विकसित हुए। सनातन धर्म को मुस्लिम आक्रमण और भारत में मुस्लिम शासन के चरम के दौरान कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ा, जो मध्यकालीन युग में हुआ था। हालांकि, यह बढ़ता रहा, विकसित होता रहा और अपने दैनिक व्यवहार में अन्य सांस्कृतिक कारकों को शामिल करता रहा और आज भी मजबूत है। कबीर, मीराबाई और तुलसीदास जैसे भक्ति संत इस अवधि के दौरान आए और जाति या धर्म से परे प्रेम का संदेश फैलाया। उपमहाद्वीप में अंग्रेजों के आगमन के साथ ही राजा राम मोहन राय और स्वामी विवेकानंद जैसे मुक्ति आंदोलन हुए। इस अवधि में सनातन धर्म के पुनर्निर्माण के लिए हिंदू जागरण और आधुनिक अवतार की स्थापना भी देखी गई।

सनातन एक धर्म के रूप में आज भी इस आधुनिक दुनिया में परंपरा और वर्तमान संस्कृति के आत्मसात के साथ चल रहा है। इसने आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी, घटना, वैश्वीकरण और यहां तक कि उदार लोकतंत्र को भी अपनाया है। योग और ध्यान एक आध्यात्मिक विज्ञान के रूप में सनातन धर्म से लिया गया है जो दुनिया भर में लोकप्रिय हो गया है और स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि आज की दुनिया को ऐसे सिद्धांतों की बहुत जरूरत है क्योंकि दर्शन सभी लोगों की भागीदारी, पर्यावरणवाद के साथ-साथ इस तथ्य को बढ़ावा देता है कि यह मानवतावाद के सार्वभौमिक सिद्धांतों को बनाए रखता है। सनातन धर्म का महत्व अथाह है और इसने भारतीय संरचना प्रणाली को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया है। इसमें जिन सिद्धांतों को बढ़ावा दिया गया है, उनमें अहिंसा, सत्य और करुणा आदि शामिल हैं। हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जो वैश्विक हो गई है, फिर भी सनातन धर्म में बताए गए सिद्धांत आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। योग, ध्यान और माइंडफुलनेस जैसे विचारों को वैश्विक स्वीकृति मिली है क्योंकि इससे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार हुआ है।

इसके अलावा, तथ्य यह है कि सनातन दर्शन समानता या सभी जीवन रूपों के प्रति सहिष्णुता को बढ़ावा देता है, ठीक वैसे ही जैसे आज विविधता और पर्यावरणवाद के मूल्यों को अपनाया जाता है। सनातन धर्म एक स्थायी पद्धति है जो सिर्फ एक धर्म होने से कहीं ज्यादा है क्योंकि इसमें एक 'जीवन पद्धति' शामिल है और इसका संयोजन है जो विभिन्न प्रकार की दृष्टिकोण प्रणालियों और रीति-रिवाजों को शामिल कर सकता है, जिसमें दर्शन भी शामिल है। यह लोगों को अस्तित्व, मानव जीवन के अर्थ और स्वतंत्रता के मार्ग का वर्णन करने के लिए एक और सार्वभौमिक दृष्टिकोण प्रदान करता है। अपने पवित्र ग्रंथ, प्रार्थनाओं या सनातन धर्म के दार्शनिक सिद्धांतों के माध्यम से यह आज भी लाखों लोगों को एक योग्य, शांतिपूर्ण और हमेशा संतुष्ट जीवन की ओर प्रेरित और निर्देशित करता है। शब्द के मान्यता प्राप्त पारंपरिक अर्थ में, सनातन धर्म या हिंदू धर्म, जैसा कि इसे आज अक्सर कहा जाता है, सिर्फ एक धर्म से कहीं ज्यादा है। इसके बजाय, यह एक मार्ग या यहां तक कि एक जीवन शैली के बहुत करीब है जहां सिद्धांतों का एक समूह विश्वासियों के जीवन के हर क्षेत्र में उनके विकल्पों को निर्देशित करता है। सनातन धर्म एक बेहतर जीवन जीने का एक तरीका है। सनातन को भारतीयता की आत्मा कहें तो गलत नहीं होगा। आज जिस तरह समाज में कई बुराइयां फैल रही हैं, उन स्थितियों में सनातन धर्म के मूल्यों पर आचरण करने की सख्त जरूरत है।

डा. वरिंद्र भाटिया
कालेज प्रिंसीपल

राशिफल

वैशाख कृष्ण पक्ष द्वादशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
सर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय, धन हानि, इत्यादि दिखता है। प्रेम, संतान ठीक है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मन माफिक समाचार की प्राप्ति नहीं होगी। विवादास्पदक समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यावसायिक विवाद संभव है। कोर्ट-कचहरी से बचें। राजनीतिक हानि हो सकती है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
मान हानि के संकेत हैं। यात्रा में कष्ट संभव है। धर्म में अतिवादी न बनें। स्वास्थ्य मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बड़ी हानि की तरफ इशारा है। बचकर पार करिएगा। स्वास्थ्य मध्यम।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वंय के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में खराब स्थिति हो सकती है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
बहुत सारे शत्रु इस समय ऊपर आएंगे। हालांकि नतमस्तक होंगे। जीत आपकी होगी, लेकिन बहुत डिस्टर्बेंस करेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। कोई मानसिक बड़ा आघात हो सकता है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
घरेलू विवाद बढ़ सकता है। हृदय से संबंधित, सीने से संबंधित परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य मध्यम।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति मध्यम है। नाक, कान, गले की बड़ी परेशानी हो सकती है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
धन हानि के बड़े संकेत हैं। कई निवेश न करें अभी। अपनों से न उलझें। वाणी पर ध्यान रखें। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बहुत बचकर पार करिएगा। स्वास्थ्य बड़े बुरे तरीके से प्रभावित हो सकता है। प्रेम, संतान भी मध्यम है।

पहलगाम में हुए नरसंहार के विरोध में कैंडल मार्च निकाला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को निहत्थे सैलानियों पर आतंकवादियों द्वारा जो बर्बर नरसंहार किया गया, जिसमें धर्म पूछकर कपड़े उतरवाकर उनकी निर्मम हत्या कर दी गई। उसके विरोध में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा, उत्तर प्रदेश इकाई द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में ज़िला अध्यक्षों के नेतृत्व में घोर निंदा व्यक्त की गई और कैंडल मार्च निकाला गया।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह अपील करती है कि ऐसे क्रूर कृत्य का उत्तर उसी भाषा में दिया जाए। गोली का जवाब गोली से दिया जाए। महासभा 1908 से आज तक देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए पूर्णतः तत्पर है। यह संगठन भारत सरकार के साथ खड़ा है और देश के प्रत्येक नागरिक के सम्मान की रक्षा के लिए सदा समर्पित है।

गौतमबुद्ध नगर में यह कैंडल मार्च प्रदेश अध्यक्ष चंद्रवीर नागर के नेतृत्व में स्वर्ण नगरी, ग्रेटर नोएडा से गोल्फ कोर्स तक निकाला गया। इस कैंडल मार्च में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राकेश चौधरी, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुखबीर सिंह आर्य, प्रदेश संगठन महामंत्री अमरजीत चौधरी, प्रदेश महामंत्री चैनपाल प्रधान, जिला अध्यक्ष गौतम बुद्ध नगर कैप्टन पंचशील गुर्जर, वरिष्ठ समाजसेवी सुनील भाटी, जिला महामंत्री सचिन नागर, युवा जिला अध्यक्ष शिव भाटी, मनीष कुमार, बबलू कुमार, हेमराज, पवन कुमार, राजेंद्र सिंह, चौधरी राजपाल, चौधरी धर्मवीर, वीरेंद्र, राजेश कुमार सहित क्षेत्र की युवा शक्ति एवं सम्मानित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा ने इस दुखद घटना पर दो मिनट का मौन रखकर शोक संवेदना व्यक्त की।

बार एसोसिएशन ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की

अधिवक्ताओं ने विरोध में जुलूस निकाल कर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद दीवानी एवं बार एसोसिएशन गौतमबुद्ध नगर ने पहलगांव में हुए आतंकी हमले की निंदा की और शोक प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर बार के सभी अधिवक्ताओं ने पहले काम बंद कर घटना के विरोध में जुलूस निकाला। जिसके बाद अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम अपनी मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। जिसके बाद बार सभागार में शोक सभा का आयोजन कर सभी मृतकों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अधिवक्ताओं के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी एडवोकेट ने और संचालन सचिव अजित नागर एडवोकेट के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर के अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला कायरतापूर्ण, अक्षम्य और घोर निंदनीय है। उन्होंने इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति शोक संवेदनाएं जताई। इसी के साथ उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सरकार को धर्म और जाती से ऊपर उठकर बड़ी कार्यवाही आतंकियों के खिलाफ करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी में पर्यटकों पर यह आतंकी हमला किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने हमले में हुई मौत पर संवेदना व्यक्त करते हुए सभी घायल सैलानियों के स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

इस अवसर पूर्व अध्यक्ष योगेंद्र भाटी, रामशरण नागर, राजेंद्र नागर, राजीव तौंगड, पूर्व सचिव अजित भाटी, वरिष्ठ अधिवक्ता ओमप्रकाश रामनेर, राकेश गौतम, बलबीर सुमन, सूरजपाल राक्षस, जयप्रकाश बुद्धप्रिय, सोरन वर्मा, सुंदर भाटी, रेशराम चौधरी, प्रमोद शर्मा, नीरज भाटी, श्याम सिंह भाटी, कपिल शर्मा, विशाल नागर, अरुण नागर, रामकुमार चौधरी, आदेश बंसल, नीरज सुनपुरा, गजेंद्र चौहान, चरण सिंह भाटी, मुज्जमिल खां, इंसाद अली, यतेंद्र नागर, यशवीर नागर, मोनू नागर, सचिन शर्मा, ललित मावी, दीपक भाटी, निशांत शर्मा, अंकुश शर्मा, रोहित ठाकुर, हर्ष शर्मा, शिवा त्यागी, विशाल त्यागी, के के भाटी, कपिल नागर, पंकज शर्मा, अतुल शर्मा, धर्मेन्द्र जयंत, अरुण पचायतन, शेरशाह गजेन्द्र भाटी, महेश गुप्ता, दिनेश भाटी, विदेश भाटी, बेगराज नागर, आजाद चंदीला, महावीर बसोया, सुरेंद्र बैसोया, कृष्ण भाटी, सुशील शर्मा, शमशाद अली, सी पी सिंह, एस पी सिंह, सचिन भाटी, प्रिंस भाटी, राजकुमार गुर्जर, साजिद, मुकेश कर्दम, राजवीर गांगरोल, लौकेश, अतेंद्र चेची, कुलदीप, विपिन भाटी, दीपक चौधरी, रोहित कोंडली, गंगेलाल यादव, रिंकू यादव, अजय यादव, जानी यादव, दीपक शर्मा, सतपाल यादव, महेश भाटी, विकास शर्मा, सरिता कसाना, अरविंद अंधेल, सरिता कसाना, गंगा भाटी, अर्चना चंदिला, शिमला सागर, सुमन, कविता, विनीता पाल, बॉबी शर्मा, चित्रा आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद थे।

नौकरी से निकल जाने के खिलाफ दूसरे दिन भी जारी रहा धरना

नोएडा (चेतना मंच)। श्रम कानूनों के तहत मिलने वाली विधिक सुविधाओं की मांग करने पर गैर कानूनी तरीके से नौकरी से निकाले जाने के खिलाफ मैसर्स भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड प्लॉट नंबर- 25, सेक्टर 16 ए फिल्म सिटी नोएडा के मुख्य गेट के समक्ष सीटू के बैनर तले श्रमिकों का धरना आज दूसरे दिन भी जोर-शोर से जारी रहा।

धरना प्रदर्शन को सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, महासचिव रामसागर ने संबोधित किया और कहा की समस्याओं के समाधान होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

कैंडल मार्च निकालकर दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-93 एक्सप्रेस व्यू अपार्टमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष तथा भाजपा शहरी विकास मोर्चा के उपाध्यक्ष प्रवेश चौहान ने कहा कि कश्मीर के पहलगाम में हुई दर्दनाक और अमानवीय घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। हमारे 26 देशवासियों को आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर निशाना बनाकर बेरहमी से मार डाला। यह न सिर्फ एक क्रूर हमला है, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने पर भी एक गहरी चोट है।

उनकी पुण्य आत्मा की शांति और बलिदान को नमन करते हुए हमारी सोसाइटी एक्सप्रेस व्यू अपार्टमेंट् सैक्टर-93 की तरफ से एक कैंडल मार्च का आयोजन किया गया, जिसमें सभी निवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस मौके पर दिवंगत उन 26 वीर आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि दी गई।

निर्दोष लोगों की हत्या पर भड़का हिन्दू समाज

नोएडा (चेतना मंच)। पहलगाम में निर्दोषों के नरसंहार के विरोध में प्रदर्शन किया गया तथा दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए एक मिनट का मौन रखा गया। उसके बाद पाकिस्तान का पुतला दहन किया गया। आक्रोशित हिन्दुओं ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए तथा भारत सरकार से माँग की कि इस बार आर पर की बात होनी चाहिए। ये जेहादी आतंकवाद दुनिया के लिए नासूर है, विकास में बाधा है इसको समाप्त करना ही होगा ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अर्पित मिश्रा, के.के. मिश्रा, गगन झा, नवाब सिंह, अतुल दीक्षित, मनीष पाण्डेय,अक्षय द्विवेदी, लोकेश त्रिपाठी, राजेश शुक्ला, रामनारायण पाण्डेय, आर. करुनकुलाम एवं गिरीश मिश्रा के साथ भारी संख्या में हिन्दुओं ने भाग लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

पहलगाम में हिंदुओं की हत्या के विरोध में कैंडिल मार्च

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा की आरडब्ल्यूए- 56 के आह्वान पर सेक्टरवासियों ने जिसमें सीनियर सिटीजंस, नवयुवक, महिलायें व बच्चों ने पहलगांम की दुखद घटना के विरोध में कश्मीर में आतँकवादी हमले मे मारे गये सभी हिन्दू भाइयों की आत्मा की शांति और निंदनीय घटना के विरोध मे कम्युनिटी सेंटर सेक्टर 56 से गेट तक कैंडल मार्च व शोक सभा का आयोजन किया व मार्च करते हुए पाकिस्तान का पुतला सैक्टर -56 के गेट के चोराहे पर जलाया गया। सेक्टरवासी मार्च करते हुए पाकिस्तान मुर्दाबाद, पहलगांव का बदला लो, आदि नारे लगाते हुए सेक्टर के प्रवेश द्वार तक गए। तकरीबन 450 से अधिक सेक्टरवासी संजय मावी-प्रधान, जीके बंसल- महासचिव, हरीश जुगरण हरीश सभरवाल- उप प्रधान सुनीत सिंह आमिर सिंह यादव और जे एम सेठ- वरिष्ठ नागरिक के नेतर्त्व में इस रैली को मार्ग दर्शन किया। सेक्टरवासियों में निझावन, खुराना, संजीव पुरी, सचदेव, आरके भट्ट, इंद्रपाल खंडपुर, संजीव बाँधा, संजीव गुप्ता, एसपी सिंह, ओपी मोगा, जे पी हांडा, आर.के. अग्रवाल, विशाल सेठ, पारुल सेठ, रुचि अग्रवाल, संजय अग्रवाल, रेखा गुप्ता आदि सपरिवार इस कैंडल मार्च और शोक सभा मे उपस्थित हुए।

सेक्टर-58 के कोतवाल अमित कुमार व सेक्टर-56 की पुलिस चौकी के इंचार्ज सुधीर कुमार सुरक्षा की दृष्टि से मौके पर मौजूद रहे।

आरडब्ल्यूए सेक्टर-15ए के चुनाव सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-15ए आरडब्लूए का चुनाव पिछले दिनों सम्पन्न हुआ। चुनाव में देवेश सीनियर एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव सम्पन्न कराया गया।

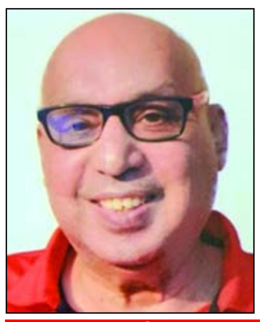

आरडब्ल्यूए के चुनाव में स्वाति गौड़ को अध्यक्ष, रूक्म प्रभु गुप्ता को उपाध्यक्ष तथा राजेश खन्ना को महासचिव चुनाव गया।

स्वाती गौड अध्यक्ष व राजेश खन्ना बने महा सचिव

इस पद पर राजेश खन्ना एवं सुश्री मेधना जिंदल (कोषाध्यक्ष) दोनों को तीसरी बार लगातार चुना गया है। साथ ही राहुल सुभार को सह सचित चुना गया है। कार्यकारिणी में संयंक गुप्ता, सुश्री दीवा बंसल, श्रुति मिश्रा व गोड फ्रे परेरा को शामिल किया गया है।

महा सचिव राजेश खन्ना ने बताया कि कार्य कारिणी सैक्टर और निवासियों की बेहतरी के लिए सभी समस्याओं का प्रमुखता से आपसी तालमेल बनाकर समाधान करेगी।

धवलगिरी अपार्टमेंट वासियों ने निकाला कैंडल मार्च

नोएडा (चेतना मंच)। धवलगिरी अपार्टमेंट में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने पर्यटकों की बर्बरता पूर्ण हत्या कर दी गई। उसके विरोध में एक कैंडल मार्च निकल गया और धवलगिरी के चारों तरफ मार्च किया गया और उनकी आत्मा शांति के लिए शोक सभा का आयोजन किया गया।

कैंडल मार्च में धवलगिरी के काफी संख्या में महिलाएं, बच्चे और पुरुष शामिल रहे।

इस दौरान अध्यक्ष अशोक मिश्रा उपाध्यक्ष महेश चंद महासचिव श्यामा पॉल कोषाध्यक्ष सुनील कुमार महेश चंद्र जिंदल बीएस रावत तपन पाल आदि लोग उपस्थित थे।

पृष्ठ एक के शेष....

बांदीपोरा में...

घायल हुए हैं। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी मिल रही है कि बांदीपुरा मुठभेड़ में लश्कर-ए-तइबा (एलईटी) के शीर्ष कमांडर अल्ताफ लाली को मार गिराया गया है। शुक्रवार की सुबह, आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने यह कार्रवाई की। भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बांदीपुरा में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ, जिसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने आतंकी को मार गिराया। इस कार्रवाई में दो जवान भी घायल हुए हैं।

धारा-10 के नोटिस के...

फाइल में से धारा-10 का नोटिस हटा लिया जाता था। टीएम जारी करने के बाद फिर उसको नोटिस को फाइल में लगा दिया जाता था। इस खेल में टीएम विभाग के भी कर्मचारियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। लेकिन यदि जांच हुई तो इसका खुलासा होने की पूरी उम्मीद है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में...

वह पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने लगा। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में बदमाश के पैर में गोली लगने के कारण घायल हो गया जिसकी पहचान अनिल कुमार के रूप में हुई है। अभियुक्त के कब्जे से 1 अवैध तमंचा 12 बोर मय 1 खोखा कारतूस, 1 जिन्दा कारतूस 12 बोर बरामद हुआ है। जिसको उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। डीसीपी नोएडा सेंट्रल जोन ने बताया घायल बदमाश गैगस्टर में वांछित है जिस पर 15 हजार का इनाम घोषित है। अनिल अपने साथी रोहित कुमार के साथ पहले भी मुठभेड़ में गिरफ्तार हुआ था और जमानत पर रिहा होकर एक बार फिर वारदात को अंजाम देने के फिराक मे एफएनजी रोड तिराहे के पास अपने अन्य साथी के इन्तजार में घूम रहा था।

पहलगाम हमले के...

व्यापारियों से अपनी दुकानें बंद करने की अपील की है। सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों, दहशतगर्दों और राष्ट्र विरोधी तत्वों ने निर्दोष लोगों की गोलियों से भूनकर निर्मम हत्या की है। दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए सराफा एसोसिएशन की ओर से 25 अप्रैल (आज) को सराफा व्यवसाय पूरी तरह से बंद रहेगा। सरकार को हत्यारों को सख्त से सख्त सजा देना होगा।

गाजियाबाद के सिहानी गेट में सराफा कारोबारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं। सराफा कारोबारियों के साथ ही अन्य दुकानदारों ने पहलगाम हमले के विरोध में अपनी दुकानें बंद कर आक्रोश जताया।

'कार्यों में देरी करने वाले अफसरों-कर्मचारियों की जिम्मेदारी होगी तय'

सॉफ्टवेयर से विकास कार्यों पर प्राधिकरण रखेगा नजर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण जल्द ही एक सॉफ्टवेयर की मदद से विकास परियोजनाओं पर नजर रखेगा। इससे परियोजनाओं को और बेहतर ढंग से तथा तय समय में पूरा करने में मदद मिलेगी। साथ ही परियोजनाओं को पूरा करने में जानबूझकर देनी करने वालों अफसरों व कर्मचारियों की जिम्मेदारी भी तय हो सकेगी

दरअसल, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में बृहस्पतिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने की। इस बैठक में परियोजना प्रबंधन एवं निगरानी से संबंधित एक आधुनिक

सॉफ्टवेयर का प्रस्तुतिकरण निटकॉन (NITCON) कंपनी द्वारा किया गया। यह सॉफ्टवेयर प्राधिकरण की वर्तमान परियोजनाओं, लंबित फाइलों तथा विलंबित कार्यों की प्रभावी निगरानी में सहायक सिद्ध होगा। इसके माध्यम से यह स्पष्ट रूप से पता लगाया जा सकेगा कि कौन-कौन से कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण नहीं हो पाए हैं, जिससे समयबद्ध कार्रवाई कर कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराया जा सकेगा।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

एलटीआई आईमाइंडट्री का मुनाफा बढ़कर 1,129 करोड़

मुंबई। एलटीआई माइंडट्री का वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में मुनाफा 2.53 प्रतिशत बढ़कर 1,128.6 करोड़ रुपये रहा। आईटी सेवा कंपनी ने कहा कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसने 1,100.7 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी मुनाफा बढ़कर, 4,602 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 4,585 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में राजस्व बढ़कर 9,771 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 8,893 करोड़ रुपये था। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि वर्तमान में वृहद आर्थिक परिवेश चुनौतीपूर्ण है। कंपनी के निदेशक मंडल प्रति शेयर 45 रुपये का लाभांश घोषित किया है।

नाबार्ड ने एग्री-फिनटेक कंपनी में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने एग्री फिनटेक स्टार्टअप 247 मनीवर्क्स कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। नाबार्ड ने कहा कि यह स्टार्टअप में नाबार्ड का पहला निवेश है, जो ग्रामीण भारत में डिजिटल परिवर्तन के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। 247 मनीवर्क्स कंसल्टिंग का प्रमुख प्लेटफॉर्म, ईकिसानक्रेडिट (ईकेसीसी), सहकारी बैंकों, पीएसीएस और आरआरबी के लिए डिजाइन किया गया एक पूरी तरह से डिजिटल ऋण प्रणाली है। ईकेसीसी प्लेटफॉर्म - भूमि रिकॉर्ड, आधार, ईकेवाईसी, कोर बैंकिंग सिस्टम और ई-पैक्स के साथ सहजता से एकीकृत होता है, जिससे ग्रामीण ऋण जीवनचक्र का स्वचालन संभव होता है।

एलआईसी के नए प्रीमियम संग्रह में पांच प्रतिशत की मामूली वृद्धि

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का नए कारोबार से प्रीमियम संग्रह मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान 5.1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 3.97 लाख करोड़ रुपये रहा। जीवन बीमा परिषद के आंकड़ों के अनुसार उद्योग ने इससे पिछले वित्त वर्ष में नए प्रीमियम के रूप में 3.77 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे। व्यक्तिगत नए कारोबार प्रीमियम में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1.49 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.66 लाख करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 2024-25 में नए कारोबार प्रीमियम के रूप में कुल 2.26 लाख करोड़ रुपये जुटाए, जिसमें व्यक्तिगत नए कारोबार से मिले 62,404.58 करोड़ रुपये शामिल है।

पूर्व आईएएस अधिकारी नीरज एनएसई के चेयरमैन बने

नई दिल्ली। प्रमुख शेयर बाजार एनएसई ने कहा कि पूर्व आईएएस अधिकारी नीरज कुमार गुप्ता एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज के चेयरमैन के रूप में जुड़ गए जुड़े हैं। अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) ने एक अप्रैल, 2025 से एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज के संचालन बोर्ड के चेयरमैन और सार्वजनिक हित निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी थी। गुप्ता 2018 में वित्त मंत्रालय (निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग) के सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए। उन्हें भारत के केंद्रीय सूचना आयुक्त के रूप में फिर से नियुक्त किया गया और उन्होंने 2023 में अपना कार्यकाल पूरा किया।

फाइनेंशियल ईयर 2025 में टोयोटा ने किया शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। फाइनेंशियल ईयर 2025 में टोयोटा कंपनी शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कंपनी ने कुल 3,09,508 यूनिट कारों की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 26प्रतिशत की बढ़ोतरी है। इस साल भी कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार टोयोटा इनोवा रही, जिसकी 1,07,204 यूनिट्स बिकीं। इनोवा की बिक्री में साल भर में 9प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। दूसरे स्थान पर रही टोयोटा हायराइडर, जिसकी 60,388 यूनिट्स बिकीं और इसमें 23प्रतिशत की सालाना बढ़त हुई। तीसरे नंबर पर टोयोटा ग्लैंजा रही।

भारत का योगदान ग्लोबल वॉल्यूम ग्रोथ में 8 गुना बढ़ा

▶ उपभोक्ता अप्लायंसेज के वैश्विक वॉल्यूम में भारत की हिस्सेदारी 2024 में 5 फीसदी थी

एजेंसी

नई दिल्ली। उपभोक्ता उत्पादों की वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत का योगदान बेहतर देखा जा रहा है। पिछले पांच वर्षों के दौरान वृद्धि में उसके योगदान ने विभिन्न श्रेणियों में पिछले वर्ष के मुकाबले वॉल्यूम हिस्सेदारी को 2 से 8 गुना बढ़ा दिया है। इससे उपभोक्ता वस्तु बनाने वाली प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) के लिए भारत एक दमदार ग्रोथ इंजन बन गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक प्लेबुक फॉर कंज्यूमर प्रोडक्ट्स मल्टीनैशनल कॉरपोरेशंस इन इंडिया के अनुसार, उपभोक्ता अप्लायंसेज के वैश्विक वॉल्यूम में भारत की हिस्सेदारी साल 2024 में 5 फीसदी थी। मगर साल 2019 से 2024 के बीच वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत की हिस्सेदारी 44 फीसदी थी जो पिछले साल की उसकी वॉल्यूम हिस्सेदारी के मुकाबले 8.6 गुना अधिक है। अन्य श्रेणियों में भी यही रुझान दिखता है। परिधान एवं फुटवियर के वैश्विक वॉल्यूम में भारत की हिस्सेदारी 2024 में 8 फीसदी थी। मगर पिछले पांच वर्षों के दौरान इस श्रेणी की वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत का हिस्सा 34 फीसदी था। गर्म पेय पदार्थ के वैश्विक वॉल्यूम में भारत की हिस्सेदारी 2024 में 6 फीसदी हो सकती है, मगर पिछले 5 वर्षों के दौरान इस श्रेणी की वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत की हिस्सेदारी 24 फीसदी थी। इसी प्रकार स्नैकिंग श्रेणी में भारत की वैश्विक वॉल्यूम में हिस्सेदारी 2024 में 10 फीसदी थी, लेकिन पिछले 5 वर्षों के दौरान इस श्रेणी की वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत की हिस्सेदारी 2.1 गुना बढ़कर 22 फीसदी हो गई। बेन ने 10 अरब डॉलर से अधिक की आय वाली करीब 42 वैश्विक उपभोक्ता वस्तु कंपनियों के भी आंकड़े दिए हैं। इनमें से 30 कंपनियां भारत में भी कारोबार करती हैं। इन कंपनियों में रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुएं बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियां शामिल हैं लेकिन तंबाकू, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण फर्मों को बाहर रखा गया है। विश्लेषण से पता चलता है कि भारत में कारोबार करना काफी फायदेमंद हो सकता है। ऐसी कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भारतीय सहायक इकाइयों का कुल शेयरधारक रिटर्न (टीएसआर) शानदार रहा। साल 2015 से 2024 के बीच उनका कुल शेयरधारक रिटर्न वैश्विक मूल कंपनी के मुकाबले 2 से 6 गुना अधिक रहा। इतना ही नहीं बेन की रिपोर्ट से यह भी खुलासा हुआ है कि भारत में कारोबार करने वाली उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र की 60 फीसदी बहुराष्ट्रीय कंपनियां वैश्विक वृद्धि दर के मुकाबले करीब दोगुनी दर से बढ़ रही हैं।

अक्षय तृतीया पर फोनपे का तोहफा, कैशबैक मिलेगा पक्का

एजेंसी

रांची। फोनपे ने आज अक्षय तृतीया के मौके पर 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड पर आकर्षक कैशबैक ऑफर्स की घोषणा की है। यूजर्स को फोनपे के प्लेटफॉर्म पर कम से कम 2000 या इससे अधिक के डिजिटल गोल्ड की वन-टाइम खरीदारी पर फ़्लैट 1% कैशबैक (2000 तक) मिलेगा। यह ऑफर केवल 30 अप्रैल को किए गए वन-टाइम ट्रांजेक्शन पर लागू होगा (प्रत्येक यूजर के लिए केवल एक बार लागू)। इस ऑफर का लाभ लेने के लिए यूजर्स UPI, UPI लाइट, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड, वॉलेट और गिफ्ट कार्ड जैसे कई पेमेंट विकल्पों के जरिए पेमेंट कर सकते हैं। त्योहार की खुशियों को और बढ़ाते हुए, फोनपे ने डिजिटल गोल्ड रिडेम्पशन के लिए कैरेटलेन स्टोर्स और वेबसाइट पर एक खास ऑफर भी पेश किया है। इसमें शामिल हैः गोल्ड कॉइन पर अतिरिक्त 2% की छूट बिना स्टड वाली ज्वैलरी पर अतिरिक्त 3% की छूट स्टड वाली ज्वैलरी पर अतिरिक्त 5% की छूट यूजर्स फोनपे प्लेटफॉर्म पर 99.99% शुद्धता के साथ 24 कैरेट प्योरिटी- सर्टिफाइड डिजिटल गोल्ड खरीद सकते हैं। ये डिजिटल गोल्ड, एमएमटीसी-पीएएमपी, सेफगोल्ड और कैरेटलेन जैसी इस सेक्टर की प्रमुख और भरोसेमंद कंपनियां उपलब्ध करा रही हैं। पूरे भारत में 1.2 करोड़ से अधिक ग्राहक फोनपे प्लेटफॉर्म पर उच्च शुद्धता वाला 24K गोल्ड खरीद चुके हैं।

डीएस ग्रुप ने हासिल किया 10,000 करोड़ का ऐतिहासिक राजस्व

रांची। अग्रणी एफएमसीजी समूह और बहुव्यवसायी कॉर्पोरेशन, धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने वित्त वर्ष 2024-25 में 10,000 करोड़ के ऐतिहासिक राजस्व को पार कर लिया है, जिससे यह भारत की शीर्ष 15 एफएमसीजी कंपनियों में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि में सबसे बड़ा योगदान खाद्य एवं पेय सेगमेंट का रहा, जो कुल राजस्व का 42% है। इसके बाद माउथ फ्रेशनर सेगमेंट 38%, हॉस्पिटैलिटी 3% और अन्य व्यवसायों का संयुक्त योगदान रहा, जिसमें तंबाकू सेगमेंट का हिस्सा 10% से भी कम है।

केंद्र ने भूमिगत कोयला खनन में तेजी लाने के लिए अग्रिम भुगतान से दी छूट

▶ भूमिगत कोयला ब्लॉक के लिए प्रदर्शन सुरक्षा पर मौजूदा 50 फीसदी छूट को बरकरार रखा गया है

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सराकर ने भूमिगत कोयला ब्लॉक के परिचालन में तेजी लाने के लिए गुरुवार को अग्रिम भुगतान से छूट देने जैसे नए प्रोत्साहन उपायों की घोषणा की। भूमिगत कोयला खनन को बढ़ावा देने से जुड़ा यह कदम देश के टिकाऊ कोयला उत्पादन अभियान के तहत उठाया गया है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक भूमिगत कोयला खदानों के लिए राजस्व हिस्सेदारी का न्यूनतम प्रतीशत चार फीसदी से घटाकर दो फीसदी कर दिया गया है। इस कमी से पर्याप्त राजकोषीय राहत मिलेगी और वित्तीय रूप से भूमिगत परियोजनाओं व्यवहारिक होंगी। इसके साथ ही भूमिगत खनन उद्यमों के लिए अनिवार्य अग्रिम भुगतान की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। यह उपाय वित्तीय बाधा को दूर करने के साथ ही निजी क्षेत्र से व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करेग, जिससे परियोजना के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। मंत्रालय के मुताबिक इन प्रोत्साहन उपायों के साथ भूमिगत कोयला ब्लॉक के लिए प्रदर्शन सुरक्षा पर मौजूदा 50 फीसदी छूट को बरकरार रखा गया है। यह सामूहिक रूप से प्रवेश सीमा को कम करता है और परियोजना क्रियान्वयन को भी सुचारू बनाता है। भूमिगत कोयला खनन अधिक पर्यावरण अनुकूल है, क्योंकि यह खुले खदान में खनन की तुलना में सतह पर काफी कम बाधा उत्पन्न करता है। इन नीतिगत उपायों से कंपनियों के आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित होने की उम्मीद है जो पर्यावरण संतुलन सुनिश्चित करते हुए उत्पादकता को बढ़ावा देंगे।

बड़े पर्दे पर लौट रही है शाह बानो केस की कहानी

एजेंसी

मुंबई। यूनिफॉर्म सिविल कोड वक्फ बोर्ड तीन तलाक शाह बानो ये सिर्फ सुर्खियां नहीं हैं – ये उन गूंजों की याद दिलाते हैं जो भारत के सबसे तीखे न्यायिक मुकदमों में से एक से निकलीं। एक ऐसा मामला जिसने जनमत को बांट दिया, देश की धर्मनिरपेक्षता की कसौटी ली, और बराबरी बनाम पहचान की बहस को नई चिंगारी दी, एक बहस जो आज भी जारी है। और अब, 40 साल बाद, ये कहानी लौट रही है इस बार, बड़े पर्दे पर। खबरों के मुताबिक, शाह बानो केस और इसी जैसे अन्य मामलों से प्रेरित एक दमदार फीचर फिल्म पर काम चल रहा है, जिसका निर्देशन सुपर्ण वर्मा कर रहे हैं। यामी गौतम और इमरान हाशमी इस फिल्म के मुख्य कलाकार हैं, और सूत्रों के अनुसार फिल्म की शूटिंग हाल ही में लखनऊ में पूरी हुई है। यह फिल्म यामी की आर्टिकल 370 के बाद अगली बड़ी सिनेमाई रिलीज मानी जा रही है, जो उन कानूनी लड़ाइयों की इंसानी कीमत को सामने लाएगी जो राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बन जाती हैं। 1978 में, 62 वर्षीय शाह बानो-पांच बच्चों की माँ – ने अपने वकील पति मोहम्मद अहमद खान द्वारा तीन तलाक दिए जाने के बाद, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत सुप्रीम कोर्ट में गुजारा भत्ते की याचिका दायर की। उनके पति ने मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देकर तीन महीने के बाद किसी भी तरह का गुजारा भत्ता देने से इनकार कर दिया।

कपिल शर्मा-अनुराग कश्यप की जोड़ी ने मचाया धमाल

एजेंसी

मुंबई। नींबू और नींबू-पानी के फ्लेवर वाली लोकप्रिय बेवरेज स्प्राइट ने अपने सुपरहिट कैंपेन जोक इन ए बॉटल के नए सीजन के साथ फिर एक बार धूम मचाई है। जेन जी की सोच और पॉप कल्चर को साथ लेकर यह नया संस्करण एक दिलचस्प ट्विस्ट के साथ आया है, जिसमें पहली बार कॉमेडी किंग कपिल शर्मा और संजीदा फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप की जोड़ी नजर आ रही है। दोनों की मजेदार नोकझोंक से भरपूर इस कैंपेन में दर्शकों को हंसी और ताजगी का डबल डोज मिलता है। ब्रांड फिल्म की शुरूआत अनुराग कश्यप द्वारा कपिल शर्मा को एक रिलेटेबल ऐड का आइडिया देने से होती है, जिसके बाद दोनों की रचनात्मक सोच आपस में टकराती है। कपिल जहां अनुराग के ऐड डेब्यू का मजाक उड़ाते हैं, वहीं अनुराग अपने विजन को जमकर बचाते हैं और इसी टकराव से निकलती है हंसी की फुल ऑन डोज। क्लाइमेक्स में कपिल के पंच के साथ जब अनुराग जोक इन ए बॉटल को अपने स्टाइल में जादुई चिराग में बदल देते हैं।

अदाणी फाउंडेशन ने 281 टीबी रोगियों को पोषण किट वितरित किए

एजेंसी

सिंदरी। विविधतापूर्ण अदाणी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी एसीसी अपने परिचालन वाले क्षेत्रों में सभी समुदायों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच को सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। एसीसी और अदाणी फाउंडेशन ने स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर धनबाद जिले में एसीसी सिंदरी के पास बलियापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में पोषण किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छह महीने की अवधि के लिए क्षेत्र में तपेदिक (टीबी) रोगियों की सहायता करना था। राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) का समर्थन करते हुए, एसीसी और अदानी फाउंडेशन ने हाल ही में तपेदिक (टीबी) रोगियों को 281 पोषण किट प्रदान किए हैं। इन किटों में प्रोटीन सप्लीमेंट, विटामिन, दालें, अनाज और संतुलित आहार बनाए रखने और रोगियों के लिए समग्र स्वास्थ्य देखभाल के बारे में बहुमूल्य जानकारी के साथ पोषण संबंधी मार्गदर्शिका शामिल है। कार्यक्रम के दौरान, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों ने टीबी के लक्षणों, उपचार का पालन करने के महत्व और ठीक होने में उचित पोषण की भूमिका पर एक शैक्षिक सत्र आयोजित किया। उन्होंने स्वच्छता बनाए रखने और दवा के शेड्यूल का पालन करने की सलाह भी दी। अपने पहले के प्रयासों के आधार पर, अदाणी फाउंडेशन की ओर से यह सहायता प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को बढ़ाएगी, रिकवरी में तेजी लाएगी और तपेदिक (टीबी) रोगियों के लिए उपचार के परिणामों में सुधार करेगी। धनबाद की एक मरीज मीना देवी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह पोषण किट हमारी स्वास्थ्य स्थिति को बेहतर बनाने में हमारी मदद करेगी। अदाणी फाउंडेशन की पहल हमारे लिए एक बड़ा समर्थन है। इस पहल के माध्यम से सभी के लिए सर्वोत्तम संभव चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एसीसी और अदाणी फाउंडेशन के समर्पित प्रयासों पर प्रकाश डाला गया है।

पर्सिस्टेंट सिस्टम का मुनाफा चौथी तिमाही में 25 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी पर्सिस्टेंट सिस्टम का मुनाफा 31 मार्च को समाप्त तिमाही में 25.5 प्रतिशत बढ़कर 395.7 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2023-24 की इसी तिमाही में उसे 315.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। पर्सिस्टेंट सिस्टम्स की परिचालन आय सालाना आधार पर 25.15 प्रतिशत बढ़कर 3,242.11 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 2,590.5 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का मुनाफा 28 प्रतिशत बढ़कर 1,400 करोड़ रुपये हो गया जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,093.4 करोड़ रुपये था।

नेस्ले इंडिया का मुनाफा मार्च तिमाही में 6.5 फीसदी घटकर 873.46 करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 6.5 फीसदी घटकर 873.46 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 934.17 करोड़ रुपये था। नेस्ले इंडिया ने शेयरधारकों को 10 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान किया है। स्विस बहुराष्ट्रीय कंपनी नेस्ले इंडिया ने गुरुवार को शेयर बाजार को नियामकीय फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि कंपनी की उत्पादों की बिक्री से आय जनवरी-मार्च तिमाही में 3.67 फीसदी बढ़कर 5,447.64 करोड़ रुपये रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 5,254.43 करोड़ रुपये थी। कंपनी का मार्च तिमाही में कुल खर्च 4,307.76 करोड़ रुपये रहा। नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में 4.24 फीसदी बढ़कर 5,234.98 करोड़ रुपये रही, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 5,021.61 करोड़ रुपये थी। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन ने कहा, जनवरी-मार्च तिमाही में पेय पदार्थ और कन्फेक्शनरी में दहाई अंक की वृद्धि हुई है।

फिटजी कोचिंग संस्थान के खिलाफ ईडी की कार्रवाई

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) में स्थित फिटजी कोचिंग संस्थान के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के अंतर्गत कई परिसरों पर छापे मारे। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग प्रदान करने वाले फिटजी ने हाल ही में अपने केंद्र बंद किए जिससे कई छात्र परेशान हो गए। धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की जा रही यह कार्रवाई अभिभावकों की शिकायतों पर आधारित है। फिटजी के मुताबिक, केंद्र प्रबंधक भागीदारों और उनकी टीमों के अचानक चले जाने के कारण हुई बंद होने की घटनाएं फोर्स मेज्योर थीं। 1992 में स्थापित, दिल्ली स्थित फिटजी प्रतियोगी परीक्षा की कोचिंग में एक प्रमुख नाम है।

अमेजन इंडिया ने मेक इंडिया रीड मोर मिशन को किया और मजबूत

एजेंसी

रांची। इस वर्ल्ड बुक डे पर अमेजन इंडिया अपने मेक इंडिया रीड मोर मिशन को आगे बढ़ा रहा है - ये एक व्यापक कोशिश है, जो भारत के रीडिंग कल्चर को बढ़ावा देने के लिए डेमोक्रेटाइज्ड एक्सेस, इनोवेटिव डिस्कवरी और कम्युनिटी एनगेजमेंट के जरिए काम करती है। ये प्रतिबद्धता देश भर के पाठकों तक किताबों की पहुंच को आसान बनाने के लिए अमेजन द्वारा किए जा रहे काम का हिस्सा है। अमेजन इंडिया के हाल के ट्रेंड्स से पता चलता है कि पूरे देश में किताबों की मांग बढ़ रही है, जिसमें नए कस्टमर्स और कैटेगरी सेल्स दोनों में डबल-डिजिट ग्रोथ देखी गई है। टियर 2 शहर इस विस्तार को खास तौर पर बढ़ा रहे हैं, जहां नए बुक कस्टमर्स की ग्रोथ मेट्रो शहरों की तुलना में दोगुनी रफ्तार से बढ़ रही है। इस डिमांड को सपोर्ट करने के लिए कंपनी ने अपनी सेम-डे डिलीवरी क्षमता को काफी बढ़ा दिया है, और अब टॉप 20 शहरों में पिछले साल की तुलना में दोगुने कस्टमर्स तक पहुंच रही है। राजर्षि गुइन, डायरेक्टर, बुक्स एंड टॉयज, अमेजन इंडिया ने कहा, किताबें अमेजन की पहचान का केंद्र बिंदु हैं, और भारत के पाठकों के लिए हमारी प्रतिबद्धता पहले से कहीं ज्यादा गहरी हुई है, भारत की सांस्कृतिक और शैक्षणिक विविधता को प्रदर्शित करने वाला साहित्य संग्रह से लेकर, तेज डिलीवरी और डिस्कवरी में निवेश करने तक, हमारा पूरा ध्यान रीडिंग को ज्यादा फायदेमंद और ज्यादा सुविधाजनक बनाने पर है। चाहे वो मेट्रो में एक युवा रीडर हो या टियर-3 टाउन में एक स्टूडेंट, हम हर दरवाजे तक सही किताब पहुंचाना चाहते हैं।

एफएबी शो में टेक्सटाइल्स व अपैरल सेक्टर के विकास को तेज करने की पहल

▶ सीएमएआई और छत्तीसगढ़ मिलकर काम करेंगे, जिससे हमारे राज्य में वस्त्र एवं परिधान उद्योग का कारोबार बहुत आगे बढ़ेगा

एजेंसी

मुंबई। टेक्सटाइल्स और अपैरल सेक्टर में विकास को तेज करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के साथ मुंबई में चल रहे एफएबी शो 2025 के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की गरिमामयी उपस्थिति में एक रणनीतिक साझेदारी को औपचारिक रूप देने हेतु एमओयु पर हस्ताक्षर किए। यह एमओयु राज्य और राष्ट्रीय अपैरल इंडस्ट्री ऑर्गेनाइजेशन के बीच सहयोग का एक नया अध्याय है, जो राज्य की निवेश को बढ़ावा देने, रोजगार सृजन करने और भारत में टेक्सटाइल्स और अपैरल निर्माण के लिए एक प्रतिस्पर्धी केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने की सोच को दर्शाता है। इस साझेदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, सीएमएआई और छत्तीसगढ़ मिलकर काम करेंगे, जिससे हमारे राज्य में वस्त्र एवं परिधान उद्योग का कारोबार बहुत आगे बढ़ेगा। हम चाहते हैं कि इस क्षेत्र में छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों को बढ़ावा मिले। हमने रायपुर में 271 करोड़ रुपये लगाकर एक निफ्ट संस्थान खोलने की मंजूरी दे दी है। इससे राज्य में वस्त्र एवं परिधान उद्योग के पूरे सिस्टम को बहुत फायदा होगा। राज्य में निफ्ट के होने और सी एम ए आई के साथ मिलकर काम करने से हमें उम्मीद है कि हमारे पुराने पारंपरिक कपड़ों के डिजाइन और तेजी से आगे बढ़ेंगे। सीएमएआई के अध्यक्ष संतोष कटारिया ने कहा, छत्तीसगढ़ में भारत के टेक्सटाइल्स और अपैरल इकोसिस्टम में एक प्रमुख भागीदार बनने की अपार संभावनाएं हैं। यह साझेदारी राज्य के उभरते टेक्सटाइल्स हब्स में नए विकास मार्गों और रोजगार के अवसरों को खोलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सहयोग के तहत, हमारा लक्ष्य इंडस्ट्री सहभागिता, नीति समर्थन और क्षमता निर्माण के लिए एक समर्पित मंच तैयार करना है, जिसकी शुरूआत छत्तीसगढ़ में सीएम एआइ शाखा कार्यालय की स्थापना से की जाएगी। यह स्थानीय हितधारकों और राष्ट्रीय अपैरल निर्माताओं के बीच मजबूत समन्वय को सक्षम बनाएगा।

कूल रहें और स्मार्ट खरीददारी करें अमेजन इन पर

एजेंसी

रांची। बढ़ते तापमान के साथ, ठंडा और आरामदायक रहना सर्वोच्च प्राथमिकता है और अमेजन इन आपको पूरे मौसम में ठंडा और आरामदायक रहने में मदद करने के लिए मौजूद है। ताजा और ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों से लेकर, पालतू जानवरों की देखभाल के लिए जरूरी सामान और शिशु देखभाल उत्पादों तक, इस वन-स्टॉप डेस्टिनेशन में तेज और विश्वसनीय डिलीवरी की सुविधा के साथ गर्मियों की हर जरूरी चीज की विस्तृत श्रृंखला मौजूद है। ग्राहक अमेजन पे का उपयोग करके अतिरिक्त बचत और सुविधा का भी आनंद ले सकते हैं; प्राइम सदस्यों को 10 लाख से अधिक उत्पादों पर उसी दिन डिलीवरी का आनंद मिलता है। चाहे आप धूप में बाहर जाने की योजना बना रहे हों या घर के अंदर शीतलता पाने के तरीके खोज रहे हों, अमेजन.इन यह सुनिश्चित करता है कि आपको लिक्विड आई. वी., स्लीपी आउल, ग्लूकोन-डी, हिमालय, बैम्बो नेचर, पेटविट और गूफी टेल्स जैसे शीर्ष ब्रांडों से सभी आवश्यक उत्पाद सीधे आपके घर के दरवाजे तक पहुंचाई जाएं। लिक्विड आई. वी. हाइड्रेशन मल्टीप्लायर - हाइड्रेशन मल्टीप्लायर - प्रीमियम सामग्री से बने इस पेय मे प्राकृतिक स्वाद हैं और यह वर्कआउट, यात्रा या लंबे दिनों के लिए एकदम सही है।

आईपीएल में सीएसके और सनराइजर्स के बीच मुकाबला आज

हारने वाली टीम प्लेऑफ की दौड़ से होगी बाहर

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच शुक्रवार को यहां आईपीएल मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। दोनो ही टीमों केलिए ये मैच बेहद अहम है। इसमें जो भी हारेगी वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। सनराइजर्स और सीएसके का प्रदर्शन इस आईपीएल सत्र में बेहद खराब रहा है। दोनो ही टीमें दो-दो मैच जीती है और आईपीएल अंक तालिका में अंतिम दो स्थानों पर हैं। इन दोनों टीमों के आठ मैच में चार अंक हैं और अगर उन्हें प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाएं बनाये रखनी हैं तो अपने बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे।

सीएसके की टीम अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि अब तक उसके बल्लेबाज और गेंदबाज घरेलू विकेट का लाभ नहीं उठा पाये हैं। सीएसके ने स्पिनर नूर अहमद की गेंदबाजी के बल पर पहले ही मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर जीत के साथ अच्छी शुरुआत की थी पर इसके बाद उसकी टीम को अपने घरेलू मैदान पर तीन बार हार झेलनी पड़ी थी। इसी कारण उसके कोच ने भी पिच की आलोचना की थी। यहां का विकेट स्पिनरों के लिए सहायक रहा है पर इस बार यहां तेज गेंदबाजों को सहायता मिल रही है जिससे बल्लेबाजों को रनों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। टीम को बाहर के मैदानों पर भी परेशानी का सामना करना पड़ा है। उसे दूसरे मैदानों पर खेले गए चार मैच में से केवल एक मैच में ही जीत मिली है। इस कारण बल्लेबाजों और गेंदबाजों का खराब प्रदर्शन बताया जा रहा है। नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड के चोटिल होने के कारण बाहर होने से भी उसकी मुश्किलें बढ़ी हैं।

वहीं अब टीम की कप्तानी संभाल रहे महेंद्र सिंह धोनी किस प्रकार टीम को आगे ले जाते हैं ये देखना होगा। डेथ ओवरों की उनकी बल्लेबाजी तथा मैच के अहम क्षणों में लिए जाने वाले फैसले टीम को वापसी दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। चेन्नई के लिए 17 साल के आयुष म्हात्रे पर भी सभी की नजरें रहेंगी। इस युवा बल्लेबाज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की थी।

सीएसके ने बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज डेवाल्डब्रेविस को भी अपनी टीम में शामिल किया है। दूसरी ओर सनराइजर्स की हालत भी

सही नहीं है। टीम की ताकत बल्लेबाजी मानी जाती है पर उसी में टीम इस बार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। टीम की गेंदबाजी भी प्रभावहीन है। पिछले सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले ट्रैविस हेड का बल्ला इस बार खामोश है। अभिषेक शर्मा ने अब तक अच्छी बल्लेबाल की है और एक मैच में 141 रन भी बनाये थे पर वह हर मैच में रन नहीं बना सकते। मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने भी स्वीकार किया है कि उनके मध्यक्र के बल्लेबाज साझेदारी बनाने में असफल रहे हैं। इसके अलावा गेंदबाजा भी विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये हैं। ऐसे में ये मुकाबला करीबी हो सकता है। सीएसके की बल्लेबाज रचिन रवींद्र, शिवम दुबे और कप्तान धोनी पर अधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान मुकेश कुमार वह स्पिनर आर अश्विन के पास रहेगी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी हेड और अभिषेक के अलावा हेनरिक क्लासेन पर आधारित है। उसकी गेंदबाजी जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा के अलावा राहुल चाहर पर आधारित है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद = पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

चेन्नई सुपर किंग्स = एमएस धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ, आयुष म्हात्रे, रचिन रवींद्र, रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर, सैम कुरेन, अंशुल कंबोज, दीपक हुडा, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस। श्रेयस गोपाल, मथीशा पथिराना।

रोहित को अर्धशतकीय पारी के लिए मिला विशेष अवार्ड

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के लिए विशेष इनाम मिला है। इस मैच में रोहित की 70 रनों की पारी से मुम्बई इंडियंस को इस मैच में शानदार जीत मिली जिससे वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गयी है। रोहित ने पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था। इस प्रकार लगातार दो मैचों में जीत में उनकी भूमिका रही है। इसी कारण टीम कके ड्रेसिंग रूम में उन्हें विशेष अवार्ड दिया गया। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी अपने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए ड्रेसिंग रूम में एक समारोह भी आयोजित करती है। इस समारोह में ही रोहित को सम्मानित किया गया।

रोहित मुंबई इंडियंस के इस वीडियो में कहते नजर आ रहे हैं, 'हम जो करते आ रहे हैं आगे भी वही करेंगे। मैच से पहले मैंने हर्डल में बात की थी कि हमें निरंतर रूप से चीजें करनी होंगी। इसी का फल मिला है। हमें आगे भी ऐसा ही करना होगा।' रोहित ने इससे पहले वानखेड़े के अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ अर्धशतक लगाया था। सन 2016 के बाद यह पहला अवसर है जब रोहित ने लगातार 2 अर्धशतक लगाये हैं। इस पारी से वह टी20 क्रिकेट में 12000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में भी शामिल हो गये हैं। वह ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय हैं।

जिम्बाब्वे से पहले टेस्ट में हार के बाद बंगलादेश ने इस बल्लेबाज को टीम में बुलाया वापस

ढाका (एजेंसी)। जिम्बाब्वे से पहले टेस्ट मैच में मिली हार के बाद बंगलादेश ने फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज अनामुल हक को दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम में वापस बुलाया है। बंगलादेश ने 28 अप्रैल से जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए टीम में दो बदलाव किए हैं।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए अनकैप्ड बाएं हाथ के स्पिनर तनवीर इस्लाम को अनामुल के साथ टीम में जगह दी गई है जबकि सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन और तेज गेंदबाज नाहिद राणा को टीम से बाहर कर दिया गया है। अनामुल ने जून 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने के बाद से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। घरेलू स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्हें 15 सदस्यीय टीम में जगह दी गई है। उन्होंने ढाका प्रीमियर लीग में गाजी ग्रुप के लिए लगातार शतक लगाए हैं।

बंगलादेश की 15 सदस्यीय टीम

नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), महमुदुल हसन जॉय, शादमान इस्लाम, अनामुल हक, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, महिदुल इस्लाम अंकोन, जेकर अली, मेहदी हसन मिराज, ताइजुल इस्लाम, नईम हसन, तनवीर इस्लाम, हसन महमूद, खालिद अहमद और तंजीम हसन साकिब।

भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे में इन खिलाड़ियों को मिल सकता है अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति आगामी इंग्लैंड के टेस्ट दौरे के लिए अगले महीने की शुरूआत में टीम घोषित कर सकती है। इसके अलावा इंग्लैंड लायंस से मुकाबले के लिए भारत ए टीम भी घोषित की जाएगी। इसी को देखते हुए बीसीसीसी टीम में मध्यक्रम में कुछ अच्छे खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है। अभी मध्यक्रम में दो स्थान ऐसे हैं जिसके लिए चयनसमिति युवाओं को अवसर दे सकती है। इन दो स्थानों के लिए अभी तकरीबन 6 दावेदार है। इंग्लैंड दौरे के खिलाफ 5 टेस्ट मैच के लिए टीम में 15 या 16 खिलाड़ियों जगह दी जा सकती है। इस दौरे के समय भारत की ए टीम भी इंग्लैंड में रहेगी और ऐसे में मुख्य टीम की जरूरत के मुताबिक ए टीम के खिलाड़ी भी उसमें शामिल किये जा सकते हैं। इसी को देखते हुए राष्ट्रीय चयन समिति इस बार घरेलू सत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों पर भी नजर बनाए हुए हैं। यह दौरा 20 जून से शुरू होगा और अगस्त के पहले सप्ताह में समाप्त होगा। इसमें रजत पाटीदार, बी साई सुदर्शन, करुण नायर, सरफराज खान और देवदत्त पडिक्कल पर नजरें रहेंगी।

रजत पाटीदार : रजत पाटीदार के पास तकनीक और मैदान के चारों ओर सहजता से शॉट खेलने की शानदार क्षमता है। आईपीएल में वह आरसीबी की कप्तानी कर रहे हैं। रणजी के अलावा अन्य घरेलू टूर्नामेंटों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। रजत एक अच्छे बल्लेबाज के तौर पर उभरे हैं जो टिककर खेलते हैं।

बी साई सुदर्शन: साई सुदर्शन लाल गेंद के क्रिकेट में भी एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो लंबी रेस के घोड़े हैं। वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के लिए पहले ही 400 से अधिक रन बनाकर अपने को साबित हो चुके हैं। चयनकर्ताओं की नजर इस खब्बू बल्लेबाज पर इसलिए भी होगी क्योंकि उनकी तकनीक अच्छी है और चोटिल होने से पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में भारत ए के लिए भी अच्छा प्रदर्शन किया था। उनकी सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह पारी की शुरुआत करने के साथ ही टीम की जरूरत के हिसाब से मध्यक्रम में भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। वे लंबे समय तक खेलने वाले खिलाड़ी हैं और 23 साल की उम्र में वे बड़ी चुनौती के लिए तैयार दिख रहे हैं।

करुण नायर: टेस्ट में भारत के लिए तिहरा शतक जड़ने वाले केवल दूसरे बल्लेबाज नायर ने मध्यक्रम में अपनी लय खो दी थी पर विदर्भ के साथ जुड़ने के बाद वह फॉर्म में शानदार तरीके से वापसी करने में सफल रहे। घरेलू सत्र उनके लिए स्वप्निल रहा, जिसमें उन्होंने प्रथम श्रेणी मैचों में 850 से अधिक रन बनाए। इसके अलावा आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा रहा है।

देवदत्त पडिक्कल : देवदत्त पडिक्कल को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में पहले मैच में टेस्ट पदार्पण करने का मौका मिला। पडिक्कल ने दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल के साथ एक प्रभावशाली साझेदारी के दौरान अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई। वह आईपीएल में अच्छे फॉर्म में हैं और अगर वह सीनियर टीम में जगह नहीं बना पाते हैं, तो वह निश्चित रूप से भारत ए टीम में शामिल होंगे।

सरफराज खान: न्यूजीलैंड के खिलाफ अक्टूबर में बेंगलुरु में 150 रन बनाने के बाद भी सरफराज को टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली पायी पर अगले टेस्ट मैचों में कुछ खराब शॉट चयन से उन्होंने अपनी जगह गंवा दी। इसके बाद घरेलू क्रिकेट में उन्होंने जमकर रन बनाये जिससे उन्हें इस बार जगह मिलने की संभावना है।

श्रेयस अय्यर: आईपीएल में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे श्रेयस अय्यर को पिछले साल रणजी क्रिकेट की जगह आईपीएल को वरीयता देने के लिए बीसीसीआई से फटकार झेलने के बाद बाहर कर दिया गया था पर वापसी का अवसर मिलने पर उन्होंने सीमित ओवरों में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अब वह लाल गेंद प्रारूप में बेहतर तकनीक के साथ उभरे है। वह शॉर्ट पिच गेंदों को भी अब पहले की तुलना में अच्छे से खेलते है।

लसिथ मलिंगा के बड़े रिकॉर्ड पर जसप्रीत बुमराह की नजरें, टी20 क्रिकेट में 300 विकेट लेने वाले चौथे भारतीय बने

मुंबई। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले के दौरान दिग्गज लसिथ मलिंगा के सबसे ज्यादा विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी की।हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन का विकेट लेने वाले बुमराह ने टी20 क्रिकेट में 300 विकेट के आंकड़े को भी छुआ।टी30 करियर में 300 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह चौथे गेंदबाज बन गए हैं। जसप्रीत बुमराह के अलावा अश्विन (315), भुवनेश्वर कुमार (318) और युजवेंद्र चहल (373) टी20 क्रिकेट में 300 से ज्यादा हासिल कर चुके हैं। बुमराह ने गुरुवार को राजीव गांदई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान ये उपलब्धि हासिल की। उन्होंने चार ओवर में 39 रन देकर हेनरिक क्लासेन का बड़ा विकेट लिया, जोकि 44 गेंद में 71 रन बनाकर आउट हुए। आईपीएल 2025 में जसप्रीत बुमराह ने पांच मैचों में पांच विकेट लिए हैं। हैदराबाद के खिलाफ एक विकेट लेकर बुमराह ने मुंबई इंडियंस के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में लसिथ मलिंगा के रिकॉर्ड की बराबरी की। जसप्रीत बुमराह और लसिथ मलिंगा ने मुंबई के लिए 170 विकेट चटकाए हैं। मलिंगा का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बुमराह को सिर्फ एक विकेट की दरकरार है। लसिथ मलिंगा इस समय मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाजी कोच हैं। इसके साथ ही बुमराह आईपीएल इतिहास में सयुंक्त रूप से आठवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। मलिंगा ने 122 पारियों में 170 विकेट लेने का कारनामा किया था, जबकि बुमराह ने 138 पारी ली। मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद का सात विकेट से हराकर पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर जगह बना ली है।

हमने परिस्थितियों का सही आकलन नहीं किया, हैदराबाद के मुख्य कोच ने बताया हार का कारण

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने स्वीकार किया कि शीर्ष क्रम का नाटकीय पतन और पिच का गलत आकलन इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के मैच में मुंबई इंडियंस से उनकी करारी हार में निर्णायक साबित हुआ। सनराइजर्स के बिग हिटर इस मैच में भी नहीं चल पाए और उसका स्कोर चार विकेट पर 24 रन हो गया। हेनरिक क्लासेन (71) और अभिनव मनोहर (43) के बीच 99 रन की साझेदारी के बावजूद उसकी टीम आठ विकेट पर 143 रन ही बना सकी। विटोरी ने मैच के बाद कहा, 'टॉस महत्वपूर्ण था। हम पहले गेंदबाजी करना चाहते थे। विकेट उससे अलग था जो हमने पहले देखा था, और जब हमने 250 से 280 रन बनने की संभावना पर चर्चा की थी लेकिन इसके बाद स्थितियां नाटकीय रूप से बदल गई और हम उनसे सामंजस्य नहीं बिठा पाए। जब हमने पहले दो ओवर खेल लिए तब हमें लगा कि यह विकेट वैसा नहीं है जिसमें 250 से अधिक रन बने जैसा कि पिछले कुछ मैच में होता रहा है। इसलिए हमारी पूरी रणनीति बदल गई।' विटोरी ने कहा कि उनकी रणनीति पावर प्ले का पूरा उपयोग करने की थी लेकिन जल्द ही उनकी यह रणनीति नाकाम हो गई। उन्होंने कहा, 'हम पावर प्ले का पूरा उपयोग करना चाहते थे लेकिन दुर्भाग्य से हम विकेट खोते रहे। एक बार जब हमें पता चल गया कि यह विकेट हो ऐसा नहीं है जैसा हमने सोचा था तो हम 180 रन तक पहुंचने के बारे में सोचने लगे लेकिन पावर प्ले में चार विकेट गंवाने से हम वहां तक नहीं पहुंच पाए।'

रोहित विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं, इस संबंध में उन्हें किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है : बोल्ट

हैदराबाद (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की प्रशंसा की है, जिन्होंने लगातार दो अर्धशतक जड़कर पांच बार की चैंपियन टीम को आईपीएल 2025 में प्लेऑफ की दौड़ में वापस पहुंचा दिया है। सनराइजर्स हैदराबाद पर मुंबई इंडियंस की 7 विकेट की शानदार जीत के बाद बोल्ट ने रोहित को 'विश्व स्तरीय' खिलाड़ी बताया, जिनका फॉर्म टीम के रिकॉर्ड छठे खिताब की तलाश में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

मैच के बाद बोल्ट ने कहा, 'मुझे लगता है कि पूरी टीम, पूरी मुंबई इंडियंस टीम में कुछ विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं और जाहिर तौर पर रोहित को इस संबंध में किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। मुझे यकीन है कि हर कोई किसी न किसी मौके पर योगदान देना चाहता है, लेकिन रोहित हाल ही में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और सही समय पर अच्छा खेल रहे हैं। इसलिए वह सीजन के बाकी बचे हिस्से में हमारे लिए बड़ी भूमिका निभाने जा रहे हैं। मुझे लगता है कि आपको किसी भी भूमिका के लिए तैयार रहने की जरूरत है।'

रोहित ने 46 गेंदों पर 70 रन की शानदार पारी खेली जिससे रब्ढ ने 15.4 ओवर में 144 रनों का मामूली लक्ष्य हासिल कर लिया जबकि बोल्ट ने 4-26 के शानदार नए-बॉल स्पेल में सनराइजर्स हैदराबाद के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था। इस जीत ने न केवल रब्ढ की प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा बल्कि उनके नेट रन रेट को भी काफी हद तक बढ़ाया, जिससे वे अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

बोल्ट ने कहा कि वह नए कप्तान हार्दिक पांड्या के नेतृत्व में अपने समय का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, ;हार्दिक एक भावुक क्रिकेटर हैं। वह आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं और अच्छी तरह से संवाद करते हैं। वह मेरे पसंदीदा भारतीय क्रिकेटरों में से एक हैं, और उनके नेतृत्व में खेलना ताजा अनुभव है।'

उन्होंने कहा, 'राजस्थान में मैं मैच के किसी भी चरण में गेंदबाजी करने के लिए तैयार था। मैं 10 आईपीएल सीजन खेलने के लिए काफी भाग्यशाली रहा हूं, जहां हर बार एक ही तरह की गेंदबाजी नहीं होती। इसलिए मुझे लगता है कि पहली बात यह है कि आपको हमेशा गेंद पर नियंत्रण रखना चाहिए। टीम में कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं। जाहिर है, (जसप्रीत) बुमराह को भी किसी परिचय की जरूरत नहीं है, इसलिए उनके हाथ में फिर से गेंद आना शानदार है।'

कोहली से बातचीत के बाद निहाल वढेरा ने कहा, उनसे 'फीडबैक' मिलना अद्भुत अहसास

लखनऊ(एजेंसी) । कोलकाता = पंजाब के युवा खिलाड़ी निहाल वढेरा को तब पता चला कि विराट कोहली उन्हें उनके नाम से जानते हैं तो उनके लिए यह अद्भुत अहसास था और जब उन्हें अपने खेल पर इस महान क्रिकेटर से ही 'फीडबैक' मिला तो उनका दिन ही बन गया।

बारिश से प्रभावित मैच में पंजाब किंग्स की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) पर मिली 5 विकेट की जीत के दौरान नाबाद 33 रन की विजयी पारी खेलने वाले बढेरा ने कहा कि मैच से पहले जब कोहली ने उन्हें पहचाना तो वह भौंचक्के रह गए। वढेरा ने कहा, 'जब मैच से पहले विराट भाई श्रेयस अय्यर से बात कर रहे थे और उन्होंने पंजाबी में पूछा 'की हाल चाल, निहाल' (कैसे हो निहाल?)। मैं सचमुच चौंक गया था। मुझे उम्मीद नहीं थी कि उन्हें मेरा नाम याद होगा। इससे मुझे बहुत खुशी हुई।' वढेरा ने कहा कि उस पल ने उनके लिए बातचीत की शुरूआत की जिसका वह लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'पिछले साल तक मैं तिलक वर्मा हो या सूर्या भाई

(सूर्यकुमार यादव), सभी से कहता था कि मैं एक बार विराट भाई से बात करना चाहता हूं।'

मुंबई इंडियंस के पूर्व बल्लेबाज ने कहा, 'जब मुझे पता चला कि विराट भाई मेरा नाम जानते हैं तो मैं उनके पास जाकर बातचीत कर सकता था।' मैच के बाद उन्होंने मौका मिलते ही अपने खेल के बारे में कोहली से 'फीडबैक' लिया और फिर उन्हें फोटो लेते हुए देखा गया। वढेरा ने कहा, 'जैसे ही मैच खत्म हुआ, मैं उनके पास गया और पूछा, 'विराट भाई, आपने मुझे पिछले दो साल से देखा है और इस साल भी, आपको क्या लगता है?'

कोहली ने वढेरा के शॉट चयन और संयम की प्रशंसा की। वढेरा ने कहा, 'उनके शब्दों ने मेरे भरोसे को मजबूत किया और मुझे यह समझने में मदद की कि खेल को बेहतर तरीके से कैसे अपनाया जाए।' RCB के खिलाफ मैच के बाद युवराज सिंह ने भी वढेरा को फोन किया। उन्होंने कहा, 'उनके शब्द मेरे लिए सुनहरे शब्दों की तरह थे। उन्होंने मुझे 'टिप्स' दिए। मुझे बताया कि मैं कैसे एक कदम आगे जा सकता हूं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं।'

वढेरा ने मुंबई इंडियंस में 'फ्लोटर' से शुरूआत की और अब पंजाब किंग्स के लिए मध्यक्रम में खेलना उनके अंदर हुए बदलाव को दर्शाता है। उन्होंने 2023 में मुंबई इंडियंस के साथ अपने पदार्पण सत्र में जोफ्रा आर्चर का सामना किया था। वढेरा ने कहा, 'जब मैंने आर्चर के खिलाफ बल्लेबाजी की तो मेरे आत्मविश्वास को बल मिला।'

त्रिकोणीय सिरीज के लिए श्रीलंकाई महिला टीम घोषित

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली आगामी त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज के लिए चमारी अटापट्टू की कप्तानी में 17 सदस्यीय महिला क्रिकेट टीम घोषित कर हैं। इस टीम में कई बदलाव किये गये हैं और तेज गेंदबाज मल्की मदारा को पहली बार शामिल किया गया है। विशमी गुणरत्ने, नीलाक्षी सिल्वा, हासिनी परेरा, पियमी वाथसाला, देवमी विहंगा, इनोका राणावीरा और हंसिमा करुणारत्ने को भी टीम में जगह मिली है। ये टूर्नामेंट रविवार से शुरू होगा और सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में ही खेले जाएंगे। श्रीलंकाई टीम का पहला मुकाबला रविवार को भारतीय टीम से होगा। इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 11 मई को होगा।

श्रीलंका टीम इस प्रकार है : चमारी अटापट्टू (कप्तान), विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षी सिल्वा, कविशा दिलहारी, अनुष्का संजीवनी, हसीनी परेरा, पियमी वाथसाला, मनुदी नानायक्कारा, देवमी विहंगा, इनोका राणावीरा, इनोशी फर्नांडो, हंसिमा करुणारत्ने, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा, सुगंधिका कुमारी, अचिनी कुलसुरिया।

इस कारण नहीं मिला रहा टीमों को घरेलू मैदान का लाभ : द्रविड़

बेंगलुरु । राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है आईपीएल के इस सत्र में अधिकतर टीमों ने घरेलू मैदानों पर खेलने का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की है। द्रविड़ के अनुसार इसका कारण ये है कि नीलामी के बाद सभी टीमों में नये खिलाड़ी आ गये हैं जिन्हें घरेलू मैदान के बारे में अधिक पता नहीं होता। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाइंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी कई टीमों ने इस बार अपने घरेलू मैदान पर पिचों को लेकर नाराजगी जतायी थी। इन टीमों का कहना है कि पिच उनके अनुसार नहीं बनायी गयी थी। द्रविड़ ने कहा, 'यह मैदान पर निर्भर करता है। मैं नहीं जानता कि टीमें अपने क्यूरेटर से क्या चाहती हैं। मेगा नीलामी के बाद सभी टीमें नई हो गयी हैं। उन्होंने अपनी टीम के नीतिश राणा और आरसीबी के फिल साल्ट का उदाहरण दिया जो पिछले साल की नीलामी के बाद उन टीमों से जुड़े जिनके साथ वह पिछली बार नहीं थे। उन्होंने कहा, 'नीलामी के बाद पहले साल कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो उन मैदानों पर पहली बार खेल रहे हैं। जैसे की फिल साल्ट पहले केकेआर के साथ पर इस बार आरसीबी की ओर से खेले। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम में नीतिश राणा नया है जो इसी साल से हमसे जुड़ा है। उसके लिये जयपुर का मैदान नया है। द्रविड़ के अनुसार सत्र आगे बढने के साथ ही खिलाड़ी अपने को मैदानों के अनुरूप ढाल लेंगे। उन्होंने कहा, 'जब बड़ी नीलामी होती है तो टीम बदलती है और घरेलू मैदान पर खेलने का शुरुआत में अधिक लाभ नहीं मिलता है पर बाद में समय के साथ ही लय मिलने लगती है।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन पर योगराज सिंह की भविष्यवाणी, वह अगले क्रिस गेल बन सकते हैं

मुम्बई (एजेंसी) । युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर के बारे में भविष्यवाणी करते हुए कहा कि अगर अर्जुन अपनी बल्लेबाजी पर अधिक ध्यान देंगे तो वे अगले क्रिस गेल बन सकते हैं।

योगराज ने क्रिकेटनेक्स्ट से कहा, 'अर्जुन के संबंध में, मैंने कहा कि उन्हें अपनी गेंदबाजी पर कम और बल्लेबाजी पर अधिक ध्यान देना चाहिए। लेकिन अगर युवराज सचिन के बेटे को तीन महीने के लिए अपने संरक्षण में लेते हैं, तो मुझे यकीन है कि वह अगले क्रिस गेल बन जाएंगे। अक्सर ऐसा होता है कि अगर कोई तेज गेंदबाज स्ट्रेस फ्रैक्चर से गुजरता है, तो वह प्रभावी ढंग से गेंदबाजी नहीं कर पाता। मुझे लगता है कि अर्जुन को कुछ समय के लिए युवराज को सौंप दिया जाना चाहिए।'

25 वर्षीय अर्जुन ने 2022 में रणजी ट्रॉफी की शुरुआत से पहले 12 दिनों के लिए योगराज सिंह के अधीन प्रशिक्षण लिया था। पोरवोरिम में गोवा के लिए खेलते हुए अर्जुन ने रणजी ट्रॉफी में अपने डेब्यू पर शतक बनाया था, ठीक वैसे ही जैसे 1988 में उनके पिता ने बनाया था।

योगराज ने कहा, 'सचिन का बेटा, वह 12 दिनों के लिए यहां आता है, 100 रन बनाता है। जब उसने डेब्यू पर शतक बनाया और फिर आईपीएल में वापस लौटा, तो लोग डर गए, क्या होगा अगर उसका (अर्जुन का) नाम मेरे साथ जुड़ गया? क्या आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या मतलब है? इसलिए लोग अपने नाम के पीछे टैग लगने से डरते हैं। मैंने युवी से कहा कि सचिन को बोलो उसे एक साल के लिए मेरे पास छोड़ दो और देखो क्या होता है।'

कच्चे आम के बेशकीमती लाभ

इस मौसम में जरूर फायदा उठाएं

गर्मियों में कच्चे और पके आम की भरपूर आवक होती है और इन दोनों के अपने अलग फायदे हैं। कच्चे आम की चटनी हो या पना, गर्मी के मौसम में स्वाद और सेहत दोनों के लिए बेहद लाभदायक है। जानिए कच्चे आम यानि कैरी के यह 7 बेहतरीन फायदे

- कच्चे आम का प्रयोग सिर्फ भोजन को स्वादिष्ट बनाने के लिए ही नहीं बल्कि स्वस्थ रहने के लिए भी किया जा सकता है। कच्चे आम के सेवन से रक्त संबंधी विकारों से बचा जा सकता है।
- अगर आपको एसिडिटी, गैस या अपच जैसी समस्या हो रही हैं, तो कच्चे आम का सेवन आपके लिए काफी लाभदायक होगा। यह कब्ज और पेट के सभी विकारों से निपटने में आपकी मदद करेगा।
- ऊल्टी आना या फिर जी मचलाने की समस्या में कच्चे आम का काले नमक के साथ सेवन करना आपको निजात दिला सकता है। कुछ ही देर में यह आपको सामान्य महसूस कराने में मदद करेगा।
- कच्चे आम का नियमित सेवन कर न केवल आप अपने बालों को काला बनाए रख सकते हैं, बल्कि बेदाग और दमकती हुई त्वचा आसानी से पा सकते हैं। इससे त्वचा में कसाव भी बना रहता है।
- शुगर की समस्या होने पर इसका प्रयोग आपके शुगर लेवल को कम करने में बेहद सहायक होगा। इसका प्रयोग कर आप शरीर में आयरन की पूर्ति भी आसानी से कर सकते हैं।
- इसमें विटामिन सी अच्छी खासी मात्रा में मौजूद है, जो आपकी खूबसूरती का ध्यान तो रखता ही है, रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा करता है। इसक प्रयोग आंखों के लिए भी फायदेमंद है।
- अगर आपको अत्यधिक पसीना आता है, तो कच्चे आम का पना या फिर किसी भी रूप में इसका प्रयोग आपकी इस समस्या को आसानी से दूर करने में कारगर साबित होगा।

कॉमन न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम है माइग्रेन गर्मियों में करता है ट्रिगर

माइग्रेन एक कॉमन न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम है। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं में ये काफी कॉमन है। रिपोर्ट्स की मानें तो ये एक ऐसा सिरदर्द है जो 4 घंटे से लेकर 72 घंटों तक रह सकता है। इस परेशानी के दौरान व्यक्ति को उल्टी, थकान, ज्यादा रौशनी और ज्यादा आवाज से परेशानी हो सकती है। गर्मी के मौसम में ये परेशानी बढ़ सकती है। गर्मी, डिहाईड्रेशन, तेज रौशनी, कम नींद के कारण गर्मियों के मौसम में माइग्रेन ट्रिगर हो सकता है हालांकि, इससे बचाव के लिए आप कुछ आसान तरीकों को अपना सकते हैं।

- गर्मी के मौसम में माइग्रेन से बचे रहने के लिए खुद को हाइड्रेटेड रखें। इसके लिए अपने साथ एक पानी की बोतल रख सकते हैं। दिन भर 3 से 4 लीटर पानी पीना जरूरी है।
- माइग्रेन से बचे रहने के लिए अपने रूटीन को सही रखें। खाने और सोने की टाइमिंग का सही होना जरूरी है। अगर आप कही छुट्टियों के लिए बाहर जा रहे हैं तो भी अपने खाने का पूरा ख्याल रखें।
- इससे बचने के लिए अपनी डायट का भी पूरा ख्याल रखें। इसके लिए कॉफी, रेड वाइन, चॉकलेट, चीज, फ्रेश फल और सब्जियों को खाएं। खीरा, तरबूज, जैसे फलों को डायट में जरूर शामिल करें।
- अगर धूप में कही बाहर निकल रहे हैं तो अपने सिर को किसी टोपी या फिर रूमाल से कवर करें। इसी के साथ आंखों पर धूप का चश्मा भी लगाएं। खूब रौशनी के कारण भी माइग्रेन ट्रिगर हो सकता है।
- काम के साथ ही रिलैक्स करना बेहद जरूरी है। अगर आप काम पर हैं तो अपने काम को पूरी तरह से मैनेज करें। समय-समय पर ब्रेक लेते रहें।

माइग्रेन का दर्द होने पर क्या करें

अगर आपको माइग्रेन का दर्द हो रहा है तो सबसे पहले किसी शांत कमरे में जाएं और फिर कुछ देर के लिए अंधेरे में रिलैक्स करें। इसी के साथ खुद को हाइड्रेट करने के लिए एक गिलास पानी पीएं। अगर आप इसके लिए कोई दवाई खाते हैं तो उसे भी खा लें।

तेज धूप हमारे शरीर से एनर्जी खींच लेती है। साथ ही कई बीमारियों का खतरा भी रहता है। ऐसे में आयुर्वेदिक डॉक्टर ने कुछ टिप्स दिए हैं जिनसे आप एनर्जेटिक रहने के साथ कूल भी रह सकते हैं।

गर्मी और हीट स्ट्रोक को मात देंगे ये तरीके

गर्मी के मौसम ने लोगों को बेहाल करना शुरू कर दिया है। ऐसे में हीट स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ गया है। चिलचिलाती धूप और बढ़े तापमान की मार से प्रभावित हुए बिना भी आप इस सीजन का मजा ले सकते हैं। ऐसा कैसे हो सकता है इसका तरीका आयुर्वेदिक डॉक्टर ने अपने इंस्टा पोस्ट में बताया है। उन्होंने हेल्दी और एनर्जेटिक बने रहने के लिए 3 काम करने की सलाह दी है।

गर्मी बढ़ते ही बीमारियां होने का खतरा बढ़ गया है। ऐसे में अपने रूटीन में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। आयुर्वेदिक डॉक्टर ने कुछ टिप्स अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए हैं। उन्होंने लिखा है, गर्मियों में हीटस्ट्रोक से बचने, कूल रहने और ज्यादा एनर्जी के लिए आयुर्वेदा ये 3 चीजें करने की सलाह देता है।

दिन में सोना

आयुर्वेद में गर्मी के मौसम के अलावा हर सीजन में दिन में सोना मना है। गर्मी में दिन के बाद ठंडी जगह पर सोने की सलाह दी जाती है। वजह यह है कि मौसम गर्म होता है और सूरज सारी एनर्जी खीच लेता है। गर्मी में दिन के वक्त सोने से आपकी एनर्जी बनी रहती है। इससे आपको शारीरिक और मानसिक थकान नहीं होती। दिन में सोने से कफ भी बढ़ता है जो कि गर्मी में शुष्क और गर्म मौसम होने की वजह से कम हो जाता है।

प्राकृतिक रूप से ठंडे पेय

गर्मी के मौसम में मिट्टी के बर्तन में ठंडे किए हुए बर्तन का पानी पिएं। इनमें कमल, गुलाब, खसखस, मिंट, या धनिया डालें तो आप हीट स्ट्रोक से बचेंगे और प्राकृतिक रूप से बॉडी कूल रहेगी।

चांद की रोशनी में सोएं

आयुर्वेद यह सलाह देता है कि गर्मी के मौसम में रात के वक्त चांद की रोशनी में सोएं। गर्मी की वजह से जो थकान हो जाती है, रात की चांदनी में सोने से वो थकान दूर होती है। चंद्रमा की रोशनी आपका दिमाग और शरीर शीतल करती है। इससे आपको अच्छी नींद आती है। इसलिए रात में ठंडक के लिए कूलर और एसी के बजाय मून लाइट में सोएं।

हड्डियों का सारा कैल्शियम छीन लेती है चाय-कॉफी

दूध पीने से कैल्शियम मिलता है, लेकिन कई लोगों को इसका टेस्ट पसंद नहीं आता। इसलिए इस आर्टिकल में न्यूट्रिशनिस्ट ने कैल्शियम फूड बताए हैं, जो काफी सारा कैल्शियम देते हैं।

हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम जरूरी है। इसके बिना हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और टूटने का खतरा बढ़ जाता है। कैल्शियम ना सिर्फ हड्डियों में जान भरता है, बल्कि नाखून, दांत और दिमाग के लिए भी जरूरी होता है। अगर आप चाय-कॉफी का ज्यादा सेवन करते हैं तो अनजाने में हड्डियों को कमजोर कर सकते हैं। क्योंकि, इसमें कैफीन की भारी मात्रा होती है। कई शोध में कैफीन को हड्डियों से कैल्शियम कम करने वाला पाया गया है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि इस खतरे को कम करने के लिए डाइट में कैल्शियम फूड्स को पर्याप्त मात्रा में शामिल करना चाहिए।

काले तिल

न्यूट्रिशनिस्ट अंजलि मुखर्जी ने काले तिल को कैल्शियम का बेस्ट सोर्स बताया है। इसके साथ विटामिन बी कॉम्प्लैक्स, प्रोटीन और हेल्दी फैट भी मिलते हैं। इन्हें आप खाने, सलाद, स्मूदी या तिल चक्की बनाकर खा सकते हैं।

दही

दही में मौजूद कैल्शियम आसानी से पच जाता है और हड्डियों को मजबूत बनाता है। इस के अंदर इम्युनिटी बढ़ाने वाले गुण भी होते हैं, जो बीमारी से बचाते हैं। आप रोजाना की डाइट में इसे आसानी से शामिल कर सकते हैं।

साबुत दाल और फली

न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया कि अधिकतर साबुत दालों और फलियों में कैल्शियम कूट-कूटकर भरा होता है। हड्डी, नाखून, दांत, दिमाग आदि को मजबूत बनाने के लिए आप राजमा, काबुली चना, काला चना, हरा चना, चोली आदि को प्याज-टमाटर के साथ पकाकर खाएं।

हरी सब्जियां और चटनी

मेथी, ब्रोकली, पालक, मूली के पत्तों और अन्य हरी सब्जियों में कैल्शियम की अच्छी मात्रा होती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि पुदीने और धनिया के पत्तों की चटनी भी भरपूर कैल्शियम प्रदान करती है।

नट्स

कैल्शियम के लिए अखरोट, अंजीर, खजूर और खुबानी खाना चाहिए। इन नट्स से आपको प्रोटीन, हेल्दी फैट्स और विटामिन्स भी मिल जाते हैं। जिससे पूरे स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है।

दूध भी हो सकता है नुकसानदेह

इन बीमारियों में भूलकर भी ना पिएं

दूध को संपूर्ण आहार माना जाता है। लेकिन कुछ बीमारियों में शरीर को दूध पीने से नुकसान हो सकता है। इसलिए जरूरी नहीं कि दूध पीकर आप हेल्दी और फिट बने रहें।

दूध को संपूर्ण आहार माना गया है। नवजात शिशु से लेकर बढ़ते बच्चों की डाइट में दूध का होना बेहद जरूर होती है। वहीं यंग और एडल्ट लोगों को भी दूध पीने की सलाह दी जाती है। कैल्शियम और मिनरल्स से भरपूर दूध बॉडी को सारे जरूरी पोषण देने में मदद करता है। साथ ही दांत और हड्डियों को मजबूत भी बनाता है। इसलिए हेल्थ एक्सपर्ट बच्चों को ही नहीं बल्कि हर उम्र के लोगों को डाइट में दूध लेने की सलाह देते हैं। लेकिन जरूरी नहीं कि हर बॉडी को दूध फायदा ही करे। कुछ बीमारियों में दूध पीना समस्या को बढ़ा सकता है। इस बारे में डायटीशियन का कहना है कि कुछ बीमारियों में दूध पीने से शरीर की परेशानी बढ़ जाती है। इसलिए इन 5 तरह की बीमारियों में दूध से दूर ही रहने में भलाई है।

पीसीओएस

जिन महिलाओं को लेट पीरियड आने और पीसीओएस की समस्या रहती है। उन्हें दूध पीने से बचना चाहिए। दूध पीने से बॉडी में एंड्रोजन और इंसुलिन का लेवल बढ़ता है। जिससे पीसीओएस की समस्या से पीड़ित महिलाओं में हार्मोनल इंबैलेंस को बढ़ावा मिलता है। हार्मोनल इंबैलेंस में दूध नहीं पीना चाहिए।

लीवर की समस्या में दूध से रहें दूर

किसी को अगर लीवर से जुड़ी समस्या जैसे फैटी लीवर या लीवर में सूजन की समस्या हो तो उसे दूध से दूर रहना चाहिए। लीवर की गड़बड़ी होने पर लीवर दूध को ठीक से पचा नहीं पाता। जिसकी वजह से लीवर में सूजन की समस्या बढ़ जाती है। साथ ही शरीर में फैट जमा होना शुरू हो जाता है।

इंफ्लेमेशन की समस्या

अगर किसी के शरीर में सूजन से जुड़ी बीमारी है तो उसे दूध पीने से बचना चाहिए। दूध में मौजूद सैचुरेटेड फैट बॉडी में इंफ्लेमेशन को बढ़ा देता है। कई सारी रिसर्च में दूध को सूजन बढ़ाने और सूजन से जुड़ी दिक्कतों को पैदा करने वाला भी बताया गया है।

डाइजेस्टिव सिस्टम खराब

कब्ज, गैस, ब्लॉटिंग जैसी समस्या अक्सर परेशान करती है तो दूध कतई ना पिएं। कमजोर डाइजेशन होने पर दूध परेशानियों को और बढ़ा देता है।

दूध से एलर्जी

कुछ लोगों को दूध से एलर्जी होती है। दूध पीते ही उनके शरीर में प्रतिक्रिया होने लगती है। जिसे लैक्टोज इंटॉलरेंस कहते हैं। इसमे दूध में मौजूद लैक्टोज को पचाने में दिक्कत होती है और ब्लॉटिंग, सूजन, गैस जैसी समस्या होने लगती है।

धनुष की फिल्म को लेकर आया बड़ा अपडेट

साउथ सुपरस्टार अभिनेता धनुष इस समय अपनी कई धमाकेदार फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी फिल्मों के अपडेट से दर्शकों में एक अलग रोमांच देखने को मिल रहा है। अब एक फिल्म को लेकर अपडेट आया है कि यह दिग्गज कलाकार उनकी फिल्म में शामिल हो रहा है।

क्या है अपडेट?

हाल ही में तमिल कॉमेडी फिल्म सूमो के प्री रिलीज इवेंट के दौरान फिल्म निर्माता इशारी के गणेश ने धनुष की आगामी फिल्म डी 56 को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया है। फिल्म निर्माता ने बताया कि धनुष की आगामी फिल्म डी 56 में म्यूजिक मशहूर संगीतकार एआर रहमान देंगे, जो एक शानदार अनुभव होगा। इसके अलावा इशारी गणेश ने धनुष के साथ एक और प्रोजेक्ट की घोषणा की है, जो विग्नेश राजा द्वारा निर्देशित किया जाएगा। सबसे खास बात यह सामने आई कि यह फिल्म डी 56 से पहले दर्शकों के बीच रिलीज की जाएगी।

एक नजर डी 56 की ओर

'डी 56' धनुष के बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक है। यह फिल्म एक ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसे डायरेक्टर मारी सेल्वराज बना रहे हैं। इसी महीने अप्रैल में धनुष ने अपनी आगामी फिल्म डी 56 का थीम पोस्टर जारी किया था। इस पोस्ट में कई साल पुरानी एक तलवार दिखाई देती है, जिसके ऊपर कंकाल की खोपड़ी लगी हुई है। इस तस्वीर पर लिखा हुआ था एक महान युद्ध की शुरुआत। धनुष के फैंस में इस पोस्टर को लेकर काफी रोमांच है।

इस समय उनके पास कई फिल्में हैं, जिनमें कुछ रिलीज होने वाली है। धनुष की फिल्म कुबेर, जो 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं। इस फिल्म में धनुष के साथ रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वहीं, अभिनेता की दूसरी फिल्म की बात करें तो वह है इडली कड़ाई, जो एक अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी। इसके अलावा अन्य फिल्मों की बात करें तो धनुष तेरे इश्क में, डी 55 आदि फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

पंजाबी हीरोइनों को गलत रास्ता दिखाने वाले पर आगबबूला हुईं हिमांशी

अभिनेत्री और बिग बॉस 13 फेम हिमांशी खुराना ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इस पोस्टज में उन्होंने पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े एक शख्स पर निशाना साधा और उस पर उनके नाम का इस्तेमाल करते हुए युवा लड़कियों और महत्वाकांक्षी अभिनेत्रियों को गुमराह करने का आरोप लगाया। हालांकि, उन्होंने उस व्यक्ति का नाम नहीं लिया। अभिनेत्री ने उस व्यक्ति को मूर्ख सहित कई कड़े शब्द कहे।

हिमांशी खुराना ने क्या लिखा?

हिमांशी खुराना ने रविवार रात को अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पंजाबी में लिखा, 'पंजाबी इंडस्ट्री में एक मूर्ख है, वह बेहद घिनौना, बेशर्म और बेकार इंसान है जो हमारे सभी कलाकारों के बीच घूमता रहता है दावा करता है कि वह उन्हें गानों और फिल्मों में काम दिलवाएगा। वह उनकी निजी जानकारी का दुरुपयोग करता है। मुझे पता चला कि वह लंबे समय से मेरे बारे में बात कर रहा है और नई लड़कियों को यह कहकर गुमराह कर रहा है कि सभी जाने-माने पंजाबी कलाकार उसके नियंत्रण में हैं।'

10 लाख रुपये दे चुकी हैं उधार

अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए आगे लिखा, 'मैंने उसे हजार बार नजरअंदाज किया, लेकिन वह नहीं बदला और इस बार मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती। एक लड़की ने खास तौर पर मेरी टीम के जरिए मुझे उसके बारे में मैसेज भेजा है। अगर आप यह पढ़ रहे हैं तो मैं आपको याद दिला दूं, आप पर अभी भी मेरा पैसा बकाया है। मैंने आपसे पैसे नहीं मांगे हैं, क्योंकि मैं ऐसी ही हूं। मैंने आपको एक बार में 10 लाख रुपये उधार दिए थे। आप नई लड़कियों को यह बताने की स्थिति में नहीं हैं कि हिमांशी आपकी बात सुनती है। याद है जब आप लंदन में फंस गए थे? मैंने आपकी मदद की थी। आपके पास टिकट के लिए भी पैसे नहीं थे। सभी कलाकार, कृपया सावधान रहें। मैं आपका नाम नहीं लिखना चाहती और आपको फुटेज नहीं देना चाहती, लेकिन आप किसी बिचौलिए से कम नहीं हैं।'

हिमांशी खुराना एक पंजाबी अभिनेत्री है। उन्हें पंजाबी फिल्म 'साड्डा हक में बतौर अभिनेत्री पहचान मिली। वह कई फिल्मों के साथ म्यूजिक वीडियोज में भी काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री ने 'बिग बॉस 13' में हिस्सा लेकर घर-घर अपनी पहचान बनाई। शो में वह आसिम रियाज के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में रहीं। हालांकि, बाहर आने के कुछ दिनों बाद दोनों ने एक-दूसरे से दूरी बना ली।

कन्नड़ सिनेमा में डेब्यू करेंगी पूजा हेगड़े सूर्या के साथ जमेगी जोड़ी

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकीं पूजा हेगड़े अब साउथ फिल्म रेट्रो में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनकी जोड़ी साउथ अभिनेता सूर्या के साथ नजर आएगी। वहीं अब पूजा कन्नड़ सिनेमा में अपना लक आजमाने जा रही हैं।

पूजा हेगड़े जल्द ही साउथ फिल्म रेट्रो में अभिनेता सूर्या के साथ नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी। इस फिल्म का निर्देशन कार्तिक सुब्बाराज ने किया है। वहीं अब कई फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकीं पूजा अब कन्नड़ फिल्म में डेब्यू करने वाली हैं। एक खबर के अनुसार, पूजा ने हाल ही में कन्नड़ फिल्म बीआरबी- फर्स्ट ब्लड (बिल्ला रंगा बाशा) साइन की है। इस फिल्म में पूजा कन्नड़ अभिनेता किच्चा सुदीप के साथ काम नजर आएंगी। हालांकि फिल्म निर्माताओं की ओर से इस बात की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया पर यह खबर तेजी से फैल रही है। अगर पूजा इस फिल्म का वाकई में हिस्सा हैं तो यह फिल्म पूजा हेगड़े की कन्नड़ सिनेमा में उनकी पहली फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन अनूप भंडारी करेंगे। फिल्म के निर्माण की जिम्मेदारी हनु-मान के निर्माता निरंजन रेड्डी और चैतन्य रेड्डी करेंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो पूजा साउथ सुपरस्टार दलपति विजय की फिल्म जना नायगन में नजर आएंगी। इसके अलावा पूजा लोकेश कनगराज निर्देशित फिल्म कुली में नजर आएंगी। इन फिल्मों के अलावा पूजा फिल्म रेट्रो में नजर आएंगी।

डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ जम सकती है कृति सेनन की जोड़ी

फरहान अख्तर की डॉन 3 बहु प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इससे जुड़ी हर अपडेट पर फैंस की नजर रहती है। बीते वर्ष यह एलान किया गया कि इस फिल्म में लीड रोल रोल रणवीर सिंह अदा करेंगे। वहीं, लीड अभिनेत्री के रूप में कियारा आडवाणी का नाम फाइनल किया गया। मगर, प्रेग्नेंसी के चलते वे इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गई हैं। अब नई एक्ट्रेस के नाम की चर्चा है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि डॉन 3 में कृति सेनन की एंट्री हो गई है। वे रणवीर सिंह के अपोजिट फिल्म में नजर आ सकती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कृति ने डॉन 3 में रणवीर के साथ काम करने के लिए सहमति जताई है। कुछ ही हफ्तों में बात फाइनल हो सकती है।

आमिर खान नहीं, अब राजकुमार राव निभा सकते हैं उज्ज्वल निकम की भूमिका

मशहूर सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की बायोपिक बनने जा रही है, जिसे दिनेश विजन बनाएंगे। इस फिल्म के लिए पहले आमिर खान का नाम सामने आया था, लेकिन उन्होंने इस फिल्म को करने से साफ इनकार कर दिया है, जिसके बाद अब उज्ज्वल की भूमिका को यह बॉलीवुड अभिनेता निभाएंगा। यह फिल्म एक रोमांचक कोर्टरूम ड्रामा होगी।

एक खबर के मुताबिक, दिनेश विजन मशहूर सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की बायोपिक बना रहे हैं। खबर है कि राजकुमार राव इस फिल्म में उज्ज्वल की भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि आमिर खान ने इस किरदार से पीछे हटने का फैसला किया है। पहले आमिर इस फिल्म में अभिनय करने वाले थे, लेकिन अब वह केवल निर्माता के रूप में जुड़े रहेंगे।

कब शुरू हो सकती है शूटिंग

दरअसल, दिनेश विजन चाहते हैं कि राजकुमार, उज्ज्वल निकम का किरदार निभाएं, क्योंकि वह इस भूमिका में फिट बेठेंगे। फिल्म को लेकर राजकुमार से बातचीत हो चुकी है, लेकिन फिलहाल वह विक्रमादित्य मोटवानी की फिल्म की तैयारी में व्यस्त हैं, जिसमें वह एक खिलाड़ी का किरदार निभाएंगे।

कौन हैं उज्ज्वल निकम

उज्ज्वल निकम भारत के प्रसिद्ध सरकारी वकील हैं। उन्होंने 1993 के बॉम्बे बम धमाकों, 2008 के मुंबई हमलों, प्रमोद महाजन हत्या, गुलशन कुमार हत्या, 2013 के मुंबई गैंगरेप और 2016 के कोपर्डी बलात्कार जैसे बड़े मामलों में अभियोजन किया। 2016 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया।

राजकुमार राव जल्द ही फिल्म भूल चूक माफ में नजर आएंगे, जो 9 मई को रिलीज होगी। यह एक रोमांटिक कॉमेडी है, जिसमें वह रंजन नाम के एक दूल्हे का किरदार निभाएंगे, जो अपनी शादी से पहले एक समय चक्र में फंस जाता है। इस फिल्म का निर्देशन करण शर्मा ने किया है और इसे दिनेश विजान ने अमेजन एमजीएम स्टूडियो के साथ मिलकर बनाया है।

मैं भूत-प्रेत में नहीं मानता, नेगेटिव एनर्जी तो मैंने लोगों से महसूस की है

रजत कपूर बॉलिवुड के उन अभिनेताओं में से हैं, जो राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी साख रखते हैं। नाटकों की दुनिया से आए रजत ने स्त्रअद्धद्ध में खुद को पॉलिश किया और मॉनसून वेडिंग, दिल चाहता है, मिथ्या जैसी कई फिल्मों में अपने अभिनय की जादूगरी दिखाई। तीन -तीन राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त रजत एक सोच प्रेरक निर्देशक भी हैं। इन दिनों वह ह्अ्अ पर आने वाली अपनी सीरीज खौफ को लेकर चर्चा में हैं। उनसे एक बातचीत।

आप रघु रोमियो, मिक्स्ड डबल, मिथ्या, आंखों देखी, आरकेआरके जैसी कई फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं, मगर जब सेट पर एक एक्टर के रूप में होते हैं, तो अपने भीतर के निर्देशक को किस तरह से कंट्रोल करते हैं?

मैंने अपने अंदर के निर्देशक को शांत कर देता हूं। वैसे आपको एक बात बताऊं? सेट पर जितने भी लोग होते हैं, वो अपनी पिक्चर बना रहे होते हैं। निर्देशक भले सेट पर अपना काम कर रहा होता है, मगर शूटिंग पर मौजूद हर बंदा यही सोच रहा होता है कि मैं बनाता तो इस फिल्म को ऐसे बनाता। सेट पर डेढ़ सौ पिक्चर बन रही होती हैं। मैं कोशिश करता हूं कि जब मैं सेट पर हूं, तो अपनी पिक्चर बनाते हुए न बैठूं। मेरे दिमाग में वाहियात सवाल न आए कि मैं करता तो कैसे करता? अरे भाई मैं क्यों करता? मैं सेट पर डायरेक्टर का अभिनेता होता हूं। मैं बहुत विनम्र होता हूं, हां, किसी सीन पर सलाह या सुझाव जरूर दे सकता हूं, मगर अंततः यह डायरेक्टर के हाथ में है कि वो मेरी सलाह मानता है या नहीं।

आपको अपनी फिल्मों के लिए तीन-तीन राष्ट्रीय पुरस्कार (तराना, हिप्नोथिसिस, रघु रोमियो) मिले हैं, तो आपके लिए अवॉर्ड कितनी अहमियत रखते हैं।

सच्ची बात बताऊं? दुनिया में 7-8 लोग ऐसे हैं, जिन्हें मैं पसंद करता हूं और प्रेम भी, तो मुझे उनकी सराहना चाहिए होती है, जिसमें मेरी बीवी है और कुछ दोस्त हैं। अगर मेरी फिल्म उन लोगों को पसंद आती है, तो वही मेरा सबसे बड़ा अवॉर्ड होता है। उसके बाद उस फिल्म को पांच हजार लोग देखें या पांच लाख, वो मेरे लिए बोनस होता है। ऐसा नहीं है कि लोगों की वाहवाही अच्छी नहीं लगती, मगर उनसे वाहवाही न भी मिले, तो चलेगा, मगर मेरे अपने लोगों की तारीफ मेरे लिए जरूरी है।

आपके लिए सबसे ज्यादा मुश्किल दौर कौन-सा था?

मुश्किल दौर आते-जाते रहे हैं। सच कहूं, तो जब भी कोई फिल्म रिलीज होती है, मेरे आने वाले दो हफ्ते डिप्रेसिंग होते हैं। फिल्म चल रही है या नहीं? क्या हो रहा है? बहुत कुछ चल रहा होता है, मगर फिर उसके बाद ढर्रे पर आना पड़ता है। अपनी हर फिल्म बनाने में मुझे काफी जद्दोजहद लगी है। एक फिल्म के बाद दूसरी फिल्म बनाने में पांच साल भी लगे हैं। मैं आपको बताऊं, आंखों देखी को रिलीज के बाद इतना प्यार मिला। वो फिल्म मैंने 2012 में बनाई, जो एक साल बाद रिलीज हुई। उसकी खूब चर्चा हुई, मगर उसके बाद दूसरी फिल्म मिलने में मुझे 6 साल लग गए। ऐसा नहीं था कि आंखों देखी के बाद मेरे लिए सब चीजें आसान हो गई हों। मैं कोई शिकायत नहीं कर रहा। मैं जानता हूं कि जिस जगह हमने काम करने का फैसला किया है, वह एक बाजार है और मार्केट में चीजें मोल-तोल से बिकती हैं, आर्टिस्टिक वैल्यू के साथ नहीं। मगर मैं ऐसा कोई सिनेमा नहीं बनाता जिसमें मुझे यकीन न हो। मैं फिल्में मजे के लिए करता हूं और जिस फिल्म पर मुझे डेढ़-दो साल लगाने हों, उस पर मेरा फेथ पक्का होना चाहिए।

अपनी पिछली फिल्म आरकेआरके में आपने मल्लिका शेरावत के साथ एक्टिंग और डायरेक्शन किया। आप इंडस्ट्री में व्याप्त स्टार सिस्टम को कैसे देखते हैं?

देखिए, इंडस्ट्री एक मार्केट प्लेस है, तो यहां सुंदर चीजें बिकती हैं। मैं इसके खिलाफ नहीं हूं। यह इस पेशे की सचाई है। जो स्टार्स हैं, वो भी किसी वजह से इतने बड़े स्टार्स हैं। उनमें करिश्मा है, कोई बात है। आप उन्हें देखना चाहते हैं। अब ये बात और है कि स्टार्स अगर चाहें, तो बेहतर फिल्में भी कर सकते हैं। मगर वो नहीं चाहते और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। जैसे हॉलिवुड में ब्रैड पिट, लियोनार्डो जैसे सभी बड़े एक्टर और स्टार्स ने छोटी-छोटी और मीनिंगफुल फिल्मों में काम किया है। ऐसा ही हमारे स्टार्स करें, तो मजा आ जाए।

मॉनसून वेडिंग के बाद एक बार फिर आप सीरीज खौफ में नेगेटिव भूमिका में नजर आ रहे हैं। इस रोल को चुनने की कोई खास वजह?

हां, ये बहुत ही घटिया आदमी है। एक्टर के रूप में इस भूमिका ने मुझे काफी चैलेंज किया, साथ ही ये रोल मेरे लिए कुछ हद तक डरावना भी था। इस तरह की भूमिका एक अदाकार को मुश्किल से करने मिलती है, तो मैंने इस मौके को गनीमत जानकर इस रोल को अपना लिया। इसके अलावा मैं एक इमेज में बंधकर थक भी गया था। 2006 में मैंने कॉर्पोरेट फिल्म की और उसके बाद मुझे उसी तरह की भूमिकाएं मिलने लगीं, तो हर बार जब मेरा कोई रोल हिट हो जाता, तो मुझे उसी तरह के चरित्रों का ऑफर मिलने लगता था। मैं एक ही तरह की भूमिकाओं को नकारते हुए तंग आ चुका था, मगर यह रोल मुझे बहुत ज्यादा चुनौतीपूर्ण लगा।

आतंकवाद और आतंकी राष्ट्र खत्म हो जाएंगे : पंकज सिंह

लखनऊ। नोएडा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक पंकज सिंह ने कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाया है। विधायक ने कहा कि देश में लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस की नीतियों के कारण कश्मीर में आज ऐसे हालात बने हैं। अब देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हालात सुधार रहे हैं।

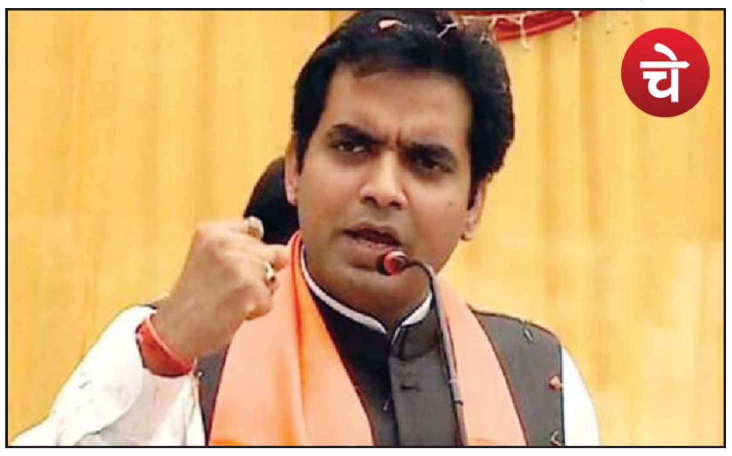

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व नोएडा विधानसभा सीट से विधायक पंकज सिंह ने एक न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा कि कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से पूरे देश में आक्रोश है।

पंकज सिंह ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि लम्बे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस की नीतियों की वजह से धरती के स्वर्ग कश्मीर में ऐसे हालात बने हैं। ऐसे विकट समय में भी पीड़ित परिवारों को सांत्वना देने की बजाए आतंकियों के प्रति उनका रवैया नरम है। इसी चरित्र की वजह से कांग्रेस भारत की राजनीतिक सरंचना से बाहर है।

विधायक पंकज सिंह ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद अभी तक जो निर्णय केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा लिए गए हैं उसके कारण आतंकवाद और आतंकी राष्ट्र खत्म हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी आतंकवाद के खात्मे के लिए कड़ा कदम उठाएंगे।

दादरी में 3 बाईपास के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री योगी से मिले विधायक तेजपाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दादरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक तेजपाल सिंह नागर ने लखनऊ स्थित सीएम कार्यालय में भेंट की। दादरी के विधायक तेजपाल नागर ने दादरी विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास पर मुख्यमंत्री योगी के साथ विस्तार से चर्चा की।

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र की दादरी विधानसभा सीट से भाजपा विधायक तेजपाल नागर ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके कार्यालय में भेंट की। इस दौरान उनके साथ प्रशांत नागर भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी से दादरी विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास पर चर्चा करते हुए विधायक तेजपाल नागर ने क्षेत्र के किसानों की सभी समस्याओं के जल्द निस्तारण कराने के साथ ही दादरी में नगरवासियों की सुविधा के लिए जल्द तीन बाईपास के निर्माण की मांग भी मुख्यमंत्री के सामने रखी।

विधायक तेजपाल नागर ने मुख्यमंत्री को बताया कि 130 मीटर रोड से गांव सैनी, वेदपुर व बादलपुर होने से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए बाईपास के साथ ही रूपवास बाईपास तथा बोड़ाकी और जारचा के बीच बाईपास का निर्माण कराया जाए ताकि दादरी के लोगों का समय बचे और उन्हें आने-जाने में सुविधा हो।

विधायक तेजपाल नागर ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दादरी क्षेत्र में विकास कार्यों को जल्द शुरू करने तथा बाईपास के निर्माण के लिए अधिकारियों से जल्द चर्चा कर निर्देश देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि उप्र की शो विंडो के रूप में नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र का विकास काफी अहम है और अब दादरी में भी विकास योजनाओं को तेज किया जाएगा।

'भारत शिक्षा एक्सपो' में जुटे दिग्गज संस्थान

नोएडा (चेतना मंच)। भारत शिक्षा एक्सपो-2025, भारत की प्रमुख शिक्षा-केंद्रित प्रदर्शनी का एसीईओ, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण प्रेरणा सिंह द्वारा इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, नॉलेज पार्क, ग्रेटर नोएडा में भव्य उद्घाटन किया गया। यह आयोजन 24 से 26 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जा रहा है और इसका आयोजन इंडिया एक्सपोज़ीशन मार्ट लिमिटेड द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सहयोग से किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में माँ शाकुंभरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर कि कुलपति प्रोफेसर विमला बाई, सदस्य सचिव UPSLQAC और भारत शिक्षा एक्सपो-2025 के लिए उच्च शिक्षा विभाग, यूपी के नोडल अधिकारी दिनेश शर्मा, मानद सलाहकार इनोवेशन हब एकेटीयू लखनऊ डॉक्टर एसपी मिश्रा, प्रमुख- इनोवेशन हब यूपी, एकेटीयू महीप सिंह और मुख्य वित्तीय अधिकारी, IEML, ग्रेटर नोएडा सचिन सिंन्हा उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि प्रेरणा सिंह ने अपने संबोधन में भारत शिक्षा एक्सपो और IEML टीम को एक सुंदर कैनवास के रूप में भारत के शैक्षणिक भविष्य को दर्शाने के लिए बधाई दी और संस्थानों, प्राधिकरणों व उद्योगों के बीच रणनीतिक सहयोग के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि GNIDA ने नॉलेज पार्क को केवल संस्थानों के समूह के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार, तकनीक और प्रतिभा के एक प्रगतिशील केंद्र के रूप में कल्पना की है। भारत शिक्षा एक्सपो इस दृष्टि को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करता है और सभी संबंधित पक्षों को एक जीवंत शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए एकजुट करता है। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा में 1.5 लाख से अधिक छात्र हैं और चिकित्सा, लिबरल आर्ट्स और तकनीकी संस्थानों के साथ यह शहर राष्ट्रीय और वैश्विक शिक्षा केंद्र बनता जा रहा है।

विशिष्ट अतिथि प्रो.विमला वाई ने कहा कि छोटे विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय मानकों से प्रतिस्पर्धा करने का साहसिक संकल्प दिखा रहे हैं और भारत शिक्षा एक्सपो-2025 वह मंच है।

इस वर्ष के एक्सपो में 100+ प्रदर्शक भाग ले रहे हैं, जिनमें प्रमुख शैक्षणिक संस्थान, एजु-टेक कंपनियाँ, कौशल विकास एजेंसियाँ और वैश्विक अध्ययन सलाहकार शामिल हैं, जो 7,000 वर्ग मीटर में फैले हैं। इस आयोजन में शिक्षा व करियर मार्गदर्शन, लाइव डेमो, रोबोटिक्स कार्यशालाएं, ड्रोन प्रदर्शनी, क्विज़ और सिंगिंग प्रतियोगिताएं जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं।

व्यापारियों ने जलाया पाकिस्तान का झंडा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सभी व्यापार मंडल के सदस्यों द्वारा कलेक्ट्रेट सूरजपुर में पहलगाम में हुए क़ातिलाना हमले के विरोध में प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान पाकिस्तान का झंडा जलाकर व नारेबाज़ी कर विरोध ज़ाहिर किया गया और सख्त से सख्त कार्रवाई की माँग की गई।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल से प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल महामंत्री सचिन गोयल उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शक्ति सिंह उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल से अध्यक्ष रामावतार सिंह मंत्री मनोज भाटी दादरी व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनोज गोयल भंगेल व्यापार मंडल से अध्यक्ष मनोज गोयल आदि सभी व्यापारियों ने मिलकर सरकार से माँग की कि आतंकवादियों को जल्द से जल्द पकड़कर मारा जाए और पाकिस्तान को जल्द से जल्द ख़त्म किया जाए। प्रदर्शन के दौरान व्यापारियों ने पाकिस्तान का झंडा भी जलाया।

'आतंकवाद के विरूद्ध दिखाई एकता'

नोएडा (चेतना मंच)। सबमॉल सेक्टर-27 से सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन नोएडा तक आयोजित कैंडल मार्च ने गौतमबुद्धनगर में आतंकवाद के विरुद्ध एकता और संकल्प का जीवंत प्रतीक प्रस्तुत किया। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह के मार्गदर्शन और जिला अध्यक्ष राकेश अवाना के नेतृत्व में आयोजित इस शांतिपूर्ण मार्च में सैकड़ों कार्यकर्ता, पदाधिकारी और नागरिक शामिल हुए। सभी ने पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए 26 वीरों को मोमबत्तियों की लौ के माध्यम से श्रद्धांजलि दी।

जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने कहा कि यह विरोध व कैंडल मार्च आतंक के अंधकार के सामने एकजुट भारत की रोशनी है। हमारा संकल्प है कि शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष पंकज अवाना ने कहा देश का युवा अब खामोश नहीं है।

मार्च का समापन सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन पर हुआ, जहां सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के जिला महासचिव कैलाश शर्मा, जिला संगठन मंत्री प्रशांत रावत, जिला सचिव जयकिशन जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष मुन्ना गुप्ता, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष गौरव गौतम, नोएडा विधानसभा अध्यक्ष नितिन प्रजापति, जिला सचिव प्रवीन धीमान, जिला सचिव प्रदीप सुनैया, वीरेन चौधरी, पवन अवाना, दीपक यादव, अमर चौधरी, शंकर, मोहित चौधरी, हरीश अवाना, सुमित अवाना सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नोएडा में बाहर से आने वाले व्यापारियों के लिए बने धर्मशाला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल व जिला प्रशासन के बीच व्यापार बंधुओं की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन चेयरमैन नवनीत गुप्ता प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल व उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शक्ति सिंह ने बैठक में एडीएम अतुल कुमार के सामने व्यापारियों की प्रमुख समस्याएं व मांगें रखीं।

व्यापारियों ने बैठक में मांग रखी कि बाहर से आने वाली ओवरलोड गाड़ियों को नोएडा ग्रेटर नोएडा में एंट्री बंद करवाई जाए। सेक्टर 100 से 49 जाने वाला रास्ता जल्द से जल्द खुलवाया जाए। साथ ही बढ़ती गर्मी का प्रकोप देखते हुए प्रशासन द्वारा पानी की प्याऊ व वॉटर कूलर का प्रबंध बाज़ारों में किया जाए। नोएडा की रेड लाइटों के चारों तरफ़ ग्रीन कपड़ा लगवाकर बढ़ती गर्मी से कार व मोटर साइकिल चालकों को बचाया जाए। व्यापारियों ने कहा कि नोएडा एक बड़ा व्यापारिक में औद्योगिक हब बनता जा रहा है इसके लिए प्रशासन बाहर से आने जाने वाले व्यापारियों के लिए एक धर्मशाला का निर्माण करवाए या व्यापारियों को जगह उपलब्ध करवाई जाए ताकि निर्माण करवा देंगे। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के घोषित कट ना लगे, उन प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री न की जाए जिस पर कोई विवाद हो।

एडीएम अतुल कुमार ने व्यापारियों की मांगें सुनने के बाद कहा कि इनका निपटारा जल्द से जल्द किया जाएगा। बैठक के बाद व्यापारियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने मिलकर पहलगाम में हुए नरसंहार के लिए दो मिनट का मौन धारण कर सभी मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।